मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 8 अंक 312
मंगलवार, 02 जून 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

भारत-म्यांमार संबंधः पीएम मोदी ने उठाया बॉर्डर का मुद्दा

हमारी जमीन भारत के खिलाफ नहीं होगी इस्तेमाल: राष्ट्रपति मिन आंग ह्लाइंग

नई दिल्ली, 01 जून। मिन आंग ह्लाइंग को चीन का समर्थक माना जाता है लेकिन नई दिल्ली में उन्होंने पीएम मोदी को आश्वासन दिया कि म्यांमार की जमीन का इस्तेमाल भारत के हितों के खिलाफ नहीं होगा।

भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र की 1640 किलोमीटर से लंबी सीमा म्यांमार के साथ है। इस पड़ोसी देश की आंतरिक अस्थिरता और वहां चीन के बढ़ते प्रभुत्व लंबे समय से चिंता का विषय रहा है।

सोमवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और म्यांमार के राष्ट्रपति मिन आंग ह्लाइंग के बीच हुई महत्वपूर्ण द्विपक्षीय बैठक में इन सभी संवेदनशील मुद्दों पर खुलकर चर्चा हुई।बैठक में दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने पर जोर दिया।

इसमें व्यापार एवं आर्थिक संबंध, रक्षा एवं सुरक्षा, सीमा प्रबंधन, विकास सहायता तथा सांस्कृतिक आदान-प्रदान शामिल हैं। दोनों पक्षों ने विभिन्न द्विपक्षीय समझौतों और ज्ञापनों पर चल रही चचाओं को जल्द पूरा करने की इच्छा जताई।

म्यांमार में अप्रैल, 2026 में चुनाव हुआ था जिसमें राष्ट्रपति ह्लाइंग को भारी बहुमत से विजयी घोषित किया गया है। इसके पहले वह कार्यवाहक राष्ट्रपति रहे हैं। इस चुनाव से वैसे इस देश की आंतरिक स्थिति में बहुत सुधार की संभावना नहीं दिख रही है।

एक तरफ म्यांमार की सेना है और दूसरी तरफ लोकतांत्रिक अधिकारों की मांग करने वाले दल व चिन ब्रदरहुड और आराकान आर्मी जैसे विद्रोही सेना है। देश के रखाइन प्रांत के अधिकांश हिस्से पर सैन्य विद्रोहियों का कब्जा है। साथ ही चीन का वर्चस्व भी म्यांमार की सरकार पर बढ़ता जा रहा है। ऐसे में

राष्ट्रपति ह्लाइंग ने चुनाव में विजयी होने के बाद विदेश दौरे के तौर पर भारत का चुन कर नई दिल्ली को यह संदेश दिया है कि वह भारत के हितों की रक्षा कर सकते हैं। यह बात उन्होंने पीएम मोदी को भी साफ तौर पर बताई है।मोदी ने भी यह कहा कि भारत म्यांमार की संप्रभुता का पूरा आदर करता है। राष्ट्रपति ह्लाइंग को इस तरह का आश्वासन पहले चीन भी दे चुका है। दो सबसे बड़े पड़ोसियों से इस तरह का आश्वासन वहां की राजनीति में उनकी स्थिति मजबूत करेगा।ह्लाइंग अपने कैबिनेट के पांच वरिष्ठ मंत्रियों और एक बड़े औद्योगिक दल के साथ भारत आये हैं।मोदी व ह्लाइंग के बीच बैठक के बाद जारी संयुक्त बयान में कहा गया है कि दोनों देशों ने स्थानीय मुद्रा (रुपया-क्यात सेटलमेंट मैकेनिज्म) के माध्यम से द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने पर सहमति जताई है। म्यांमार चीन के साथ पहले से ही इस तरह की व्यवस्था कर चुका है। वहां चीन बहुत बड़ा निवेशक है, खास तौर पर म्यांमार के दुर्लभ खनिजो के भंडार पर चीन की कंपनियां का अधिकार बढ़ता जा रहा है। भारत व म्यांमार के बीच दो अरब डालर का कारोबार होता है।

व्यापार और निवेश सहयोग को और गहरा करने के लिए दोनों देश कृषि प्रसंस्करण, पेट्रोलियम, ऊर्जा और खनन क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए तैयार हैं। यह सहयोग दोनों देशों के संबंधित राष्ट्रीय कानूनों और नियमों के अनुसार होगा। भारत म्यांमार की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करता है तथा दोनों पक्षों ने एक-दूसरे की सुरक्षा चिंताओं का ध्यान रखते हुए क्षेत्र का दुरुपयोग रोकने पर सहमति जताई।'पीएम मोदी ने म्यांमार की पूर्व आंग सान सु ची का मुद्दा भी उठाया और भारत की यह इच्छा दोहराई कि म्यांमार में लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं की जल्द से जल्द बहाली होनी चाहिए।

उपराष्ट्रपति से मिले असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा, विकास के मुद्दों पर हुई चर्चा

नई दिल्ली, 01 जून। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को यहां उपराष्ट्रपति भवन में उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन से मुलाकात की। शर्मा ने 12 मई को असम के मुख्यमंत्री पद की लगातार दूसरी बार शपथ ली थी जिसके बाद उपराष्ट्रपति के साथ यह उनकी पहली मुलाकात है। राधाकृष्णन ने सितंबर 2025 में उपराष्ट्रपति पद का कार्यभार संभाला था।

उपराष्ट्रपति कार्यालय ने ह्यएक्सह्ल पर एक पोस्ट में कहा, ह्यह्यअसम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने आज उपराष्ट्रपति भवन में उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन से मुलाकात की।ह्लह्ल शर्मा ने इससे पहले दिसंबर 2025 में उपराष्ट्रपति से मुलाकात की थी और उन्हें असम आने का न्योता दिया था। राधाकृष्णन ने इस साल मार्च में नगालैंड, मिजोरम और त्रिपुरा का तीन दिवसीय दौरा किया

गया था। दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने भी सोमवार को उपराष्ट्रपति से मुलाकात की। अमेरिका में भारत के पूर्व राजदूत संधू को मार्च में दिल्ली का उपराज्यपाल नियुक्त किया गया था।

इस बीच, शर्मा ने रविवार को घोषणा की थी कि असम मंत्रिपरिषद का विस्तार पांच जून को किया जाएगा। उन्होंने पिछले तीन दिन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सहित केंद्र सरकार के शीर्ष पदाधिकारियों के साथ कई बैठकें की हैं। शर्मा ने रविवार को केंद्रीय मंत्रियों राजनाथ सिंह, एस. जयशंकर एवं सबार्नंद सोनोवाल से मुलाकात की और उनसे असम के विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने सोमवार को केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया से भी मुलाकात की।

ईरान-अमेरिका समझौते के लिए अब मैदान में फ्रांस, मैक्रों ने दिया बड़ा प्रस्ताव

फ्रांस, 01 जून। मध्य पूर्व में जारी तनाव के बीच इमैनुएल मैक्रों ने बड़ा बयान देते हुए कहा है कि फ्रांस, अमेरिका और ईरान के बीच संभावित समझौते को सफल बनाने के लिए हरसंभव सहयोग देने को तैयार है। फ्रांसीसी राष्ट्रपति ने बताया कि उनकी रविवार को डोनाल्ड ट्रंप से फोन पर बातचीत हुई। इसके बाद उन्होंने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच समझौता क्षेत्र में नई सुरक्षा व्यवस्था और स्थायी शांति स्थापित करने का एक अनूठा अवसर है। मैक्रों ने ट्रंप के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि फ्रांस इन कूटनीतिक प्रयासों का पूर्ण समर्थन करेगा।

फ्रांस ने संकेत दिया है कि वह ब्रिटेन के साथ मिलकर एक बहुराष्ट्रीय समुद्री सुरक्षा मिशन तैनात करने के लिए तैयार है। यह मिशन

रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण Strait of Hormuz में समुद्री यातायात की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बनाया गया है। दुनिया के तेल व्यापार का बड़ा हिस्सा इसी मार्ग से गुजरता है। मैक्रों ने कहा कि प्रारंभिक समझौते के बाद वार्ता को आगे बढ़ाकर ईरान का परमाणु कार्यक्रम, बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम, क्षेत्रीय सुरक्षा और स्थिरता, समुद्री मार्गों की सुरक्षा मुद्दों को भी शामिल किया जाना चाहिए। फ्रांस ने इन विषयों पर अपनी विशेषज्ञता उपलब्ध कराने की पेशकश भी की है।

मैक्रों ने लेबनान में मजबूत युद्धविराम की आवश्यकता पर जोर दिया और कहा कि अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को लेबनान की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए मिलकर काम करना चाहिए। उन्होंने अमेरिका की उस प्रतिबद्धता का भी स्वागत किया जिसमें लेबनान की स्वतंत्रता और संप्रभुता का समर्थन किया गया है। मैक्रों ने बताया कि उन्होंने हाल के दिनों में सऊदी अरब, ओमान, यूएई और मिस्र से भी बातचीत की और सभी को यही संदेश दिया कि अमेरिका और ईरान के बीच जल्द समझौता होना क्षेत्रीय शांति के लिए आवश्यक है।

बांग्लादेश में फिर बवाल, इस्लामी बैंक विवाद पर हिंसक प्रदर्शन, पुलिस कार्रवाई में 100 से अधिक लोग घायल

ढाका, 01 जून। बांग्लादेश की राजधानी ढाका में सोमवार को उस समय तनाव फैल गया जब Islami Bank Bangladesh PLC के नए चेयरमैन की नियुक्ति के विरोध में प्रदर्शन कर रहे लोगों और पुलिस के बीच हिंसक झड़प हो गई। प्रदर्शन का आयोजन इस्लामी बैंक डिसग्रंटल्ड कस्टमर्स को-ऑर्डिनेशन काउंसिल और इस्लामी बैंक कस्टमर फोरम द्वारा किया गया था। प्रदर्शनकारी बैंक के नए चेयरमैनमोहम्मद खुर्शीद आलम की नियुक्ति का विरोध कर रहे थे। उनका आरोप है कि यह नियुक्ति विवादास्पद है और बैंक के हित में नहीं है। प्रदर्शनकारियों ने हाल ही में अनिवार्य अवकाश पर भेजे गए प्रबंध निदेशक उमर फारूक खान

की बहाली की भी मांग की।

विवाद तब बढ़ा जब प्रदर्शनकारियों ने ढाका के प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्र दिलकुशा और मोतीझील में सड़क जाम कर दी और नारेबाजी शुरू कर दी। स्थिति तब बिगड़ गई जब बड़ी संख्या में पुलिस बल मौके पर पहुंचा। पुलिस ने भीड़ को हटाने के लिए वाटर कैनन का इस्तेमाल किया, आंसू गैस के गोले छोड़े और साउंड ग्रेनेड दागे

इसके बाद इलाके में भगदड़ और झड़पें शुरू हो गईं। प्रदर्शनकारियों का दावा है कि 100 से अधिक लोग घायल हुए। कम से कम 30 लोगों को गोली लगी। हालांकि, Dhaka Metropolitan Police ने गोली चलाने के आरोपों को खारिज कर दिया है।

पुलिस का कहना है कि प्रदर्शनकारियों ने पथराव किया, जिसमें 10 पुलिसकर्मी घायल हुए, जिनमें एक सहायक पुलिस आयुक्त भी शामिल हैं। प्रदर्शनकारियों के नेता Nurnabi Manik ने आरोप लगाया कि बैंक गंभीर नकदी संकट से जूझ रहा है। उनके अनुसार ग्राहक शाखाओं और एटीएम से पैसे निकालने में कठिनाई का सामना कर रहे हैं। जमाकताओं के हितों की रक्षा नहीं की जा रही। बैंक के संचालन में राजनीतिक हस्तक्षेप हो रहा है। यह घटना ऐसे समय हुई है जब बांग्लादेश में बैंकिंग क्षेत्र, आर्थिक चुनौतियों और राजनीतिक बदलावों को लेकर पहले से ही बहस चल रही है।

ममता बनर्जी ने पार्टी विरोधी गतिविधियों के लिए दो विधायकों को निकाला

कोलकता, 01 मई। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 में सत्ता से बाहर होने के बाद तृणमूल कांग्रेस (ळटउ) के भीतर सुलग रही असंतोष की आग अब खुलकर सामने आ गई है। पार्टी आलाकमान ने कड़ा रुख अपनाते हुए सोमवार को अपने दो मौजूदा विधायकों– संदीपान साहा और ऋतब्रत बनर्जी को पार्टी विरोधी गतिविधियों में लिप्त होने के आरोप में तत्काल प्रभाव से निष्कासित कर दिया है। इस बड़ी कार्रवाई ने उन अटकलों पर मुहर लगा दी है कि चुनाव में करारी हार के बाद पार्टी नेताओं और विधायकों का एक बड़ा धड़ा ममता बनर्जी के नेतृत्व से नाराज चल रहा है और तृणमूल के भीतर एक बड़ा बिखराव

शुरू हो चुका है।

टीएमसी द्वारा जारी एक आधिकारिक और सख्त बयान के अनुसार, इन दोनों विधायकों के खिलाफ कार्रवाई की तात्कालिक वजह पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी के कालीघाट स्थित आवास पर रविवार को बुलाई गई एक महत्वपूर्ण आपातकालीन बैठक रही। 2026 के चुनावी नतीजों के बाद पार्टी के भविष्य और रणनीति को लेकर बुलाई गई इस समीक्षा बैठक से संदीपान साहा और ऋतब्रत बनर्जी, दोनों ही नदारद रहे। इसके अलावा, पार्टी ने अपने बयान में साफ तौर पर कहा है कि यह लगातार देखा जा रहा था कि दोनों विधायक सार्वजनिक मंचों और निजी चचाओं में ऐसे बयान दे रहे थे जो ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस के हितों के लिए बेहद हानिकारक और नुकसानदेह थे।टीएमसी के शीर्ष नेतृत्व ने इस अनुशासनहीनता को कतई बर्दाश्त न करने का संदेश देते हुए दोनों नेताओं को बाहर का रास्ता दिखा दिया।

लापता की तलाश

सुमन पुल्लूर
प्रजापति माताजी
उम्र – 67 वर्ष
दहिसर (पूर्व), मुंबई
दिनॉक
23/05/2026
समय
शाम 8 बजे से लापता है।

यदि आपको इनका कोई पता चले तो
कृपया तुरंत संपर्क करें
संपर्क – प्रदीप प्रजापति
मो. 8097426628
Dhan Nirankarji &
7977197822
9004316000
9768921570
9967816563
9867822957
7738476001
संपर्क – प्रजापति माताजी परिवार
7977197822
9004316000
9768921570
9967816563
9867822957
7738476001
आपकी छोटी सी जानकारी किसी अपने को घर वापस ला सकती है।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37
* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकित्सा उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकित्सा सुविधा उपलब्ध

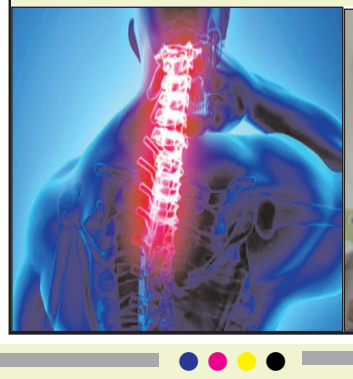
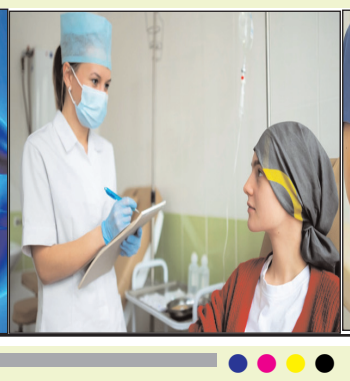
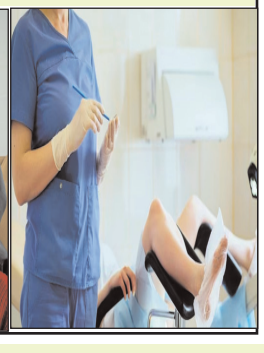

TIWARI'S
SARASWATI CLASSES
Since 1992
Parents' First Choice for 34+ Years
Prof. Dr. Dayanand Tiwari
Founder & Academic Director
ADMISSIONS OPEN
9th | 10th | 11th | 12th SCIENCE
NEET | JEE | MHT-CET
10 DAYS FREE DEMO
Attend Classes • Experience Our Teaching
Take Admission After Satisfaction
(No Hidden Conditions)
34+ Years of Academic Excellence
Experienced & Dedicated Faculty
Personal Attention
Printed Notes & Regular Tests
Strong Foundation for Boards & Competitive Exams
Santacruz Branch
101 Sai Chambers, Opp. Santacruz Railway Station (East), Near Depot, Santacruz (E), Mumbai-400055
Sion Branch
Opp. SIES College (Old), Near Gurukripa Hotel, Sion (West), Mumbai
Limited Seats / Small Batch Size
CALL NOW:
7738007373

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg. Near Diamond Talkies, L. T. Road, Borivali (West) Mumbai - 400 092 Maharashtra
ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
Std. XI & XII (Sci.)
NEET
JEE (Main & Advance)
MHT-CET
Polytechnic & Engg
Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)
M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

क्या कृत्रिम बुद्धिमत्ता कोरा बुलबुला है या वास्तविक चुनौती?

-ललित गर्ग

मानव सभ्यता के इतिहास में कुछ ऐसी क्रांतियां हुई हैं जिन्होंने जीवन की दिशा और दशा दोनों को बदल दिया। कृषि क्रांति ने मनुष्य को स्थायित्व दिया, औद्योगिक क्रांति ने उत्पादन और श्रम की परिभाषा बदली, सूचना क्रांति ने ज्ञान और संचार की सीमाएं समाप्त कर दीं। अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई की क्रांति मानव इतिहास के एक नए मोड़ पर खड़ा है। यह केवल एक तकनीकी परिवर्तन नहीं है, बल्कि मनुष्य की बुद्धि, निर्णय क्षमता, रोजगार, सामाजिक संरचना, शासन व्यवस्था और यहां तक कि उसके अस्तित्व और अस्मिता से जुड़ा प्रश्न बन चुका है। यही कारण है कि आज विश्वभर में यह बहस तेज हो रही है कि क्या एआई मानव जीवन के लिए वरदान सिद्ध होगी या यह धीरे-धीरे मनुष्य के महत्व को ही चुनौती देने लगेगी। कृत्रिम बुद्धिमत्ता की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह केवल मशीनों को चलाने तक सीमित नहीं है, बल्कि वह उन कार्यों को भी करने लगी है जिन्हें लंबे समय तक केवल मनुष्य की विशिष्ट क्षमता माना जाता था। लेखन, चित्र निर्माण, संगीत रचना, रोगों का निदान, न्यायिक विश्लेषण, वैज्ञानिक अनुसंधान और प्रशासनिक निर्णय जैसे क्षेत्रों में इसकी बढ़ती उपस्थिति ने अनेक नए प्रश्न खड़े कर दिए हैं। यदि मशीनें सोचने, सीखने और निर्णय लेने लगेंगी तो मनुष्य की विशिष्टता क्या रह जाएगी? यह प्रश्न केवल तकनीकी नहीं, बल्कि दार्शनिक और नैतिक भी है।

मानव अस्मिता का आधार उसकी चेतना, संवेदना, रचनात्मकता और नैतिक विवेक है। एआई के पास विशाल सूचनाओं का भंडार और तीव्र गणनात्मक क्षमता अवश्य है, लेकिन उसके पास अनुभवजन्य चेतना, करुणा, आत्मबोध और मूल्यबोध नहीं है। फिर भी जब मशीनें कविता लिखती हैं, चित्र बनाती हैं और संवाद करती हैं, तब यह भ्रम उत्पन्न होने लगता है कि वे मनुष्य का स्थान ले सकती हैं। वास्तव में चुनौती यह नहीं है कि मशीनें मनुष्य बन जाएंगी, बल्कि यह है कि कहीं मनुष्य स्वयं मशीनों की तरह व्यवहार करने न लगे। यदि जीवन का प्रत्येक निर्णय गणनात्मक दक्षता और आंकड़ों के आधार पर होने लगे, तो मानवीय संवेदनाएं और नैतिक मूल्य हाशिये पर जा सकते हैं। इसी संदर्भ में एक और महत्वपूर्ण प्रश्न उभरता है कि क्या भविष्य में एक नई मानव संरचना का निर्माण होगा? विश्व के अनेक वैज्ञानिक और तकनीकी चिंतक यह मानते हैं कि आने वाले दशकों में जैविक मनुष्य और डिजिटल तकनीक के बीच की दूरी लगातार कम होगी। मस्तिष्क और कंप्यूटर के प्रत्यक्ष संपर्क, कृत्रिम अंगों, स्मृति-विस्तार तकनीकों और जैव-तकनीकी हस्तक्षेपों के माध्यम से एक ऐसे युग की कल्पना की जा रही है जहां मनुष्य और मशीन का सम्मिलित स्वरूप विकसित हो सकता है। यह संभावना जितनी आकर्षक दिखाई देती है, उतनी ही चिंताजनक भी है। यदि तकनीकी रूप से उन्नत मनुष्य और सामान्य मनुष्य के बीच गहरी खाई बन गई तो सामाजिक असमानता का एक नया रूप सामने आ सकता है।

एआई के बढ़ते प्रभाव के साथ रोजगार और अर्थव्यवस्था में भी व्यापक परिवर्तन दिखाई दे रहे हैं। अनेक क्षेत्रों में नियमित और दोहराव वाले कार्य मशीनों द्वारा किए जाने लगे हैं। इससे यह आशंका उत्पन्न हुई कि बड़ी संख्या में रोजगार समाप्त हो जाएंगे। विश्व की कई बड़ी तकनीकी कंपनियों ने लागत कम करने और उत्पादकता बढ़ाने के नाम पर कर्मचारियों की संख्या घटाई है। किंतु हाल के अनुभव यह भी बताते हैं कि एआई मानव श्रम का पूर्ण विकल्प नहीं बन सकी है। जटिल निर्णय, नवाचार, मानवीय संबंधों का प्रबंधन और परिस्थितिजन्य विवेक जैसे क्षेत्रों में मनुष्य की भूमिका अभी भी केंद्रीय बनी हुई है। यहीं पर वैश्विक शोध संस्था गार्टनर की हालिया रिपोर्ट विशेष महत्व रखती है। गार्टनर ने अपनी नवीनतम विश्लेषणात्मक रिपोर्ट में संकेत दिया है कि एआई अब अत्यधिक अपेक्षाओं के शिखर से आगे बढ़कर मोहभंग के चरण में प्रवेश कर रही है। अनेक कंपनियों ने इससे तत्काल आर्थिक लाभ और उत्पादकता में चमत्कारी वृद्धि की उम्मीद की थी, लेकिन वास्तविक परिणाम अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं मिले। परियोजनाओं की ऊंची लागत, आंकड़ों की सुरक्षा से जुड़ी चिंताएं, गलत या भ्रामक उत्तर देने की प्रवृत्ति और स्पष्ट उपयोगिता सिद्ध न कर पाने जैसी समस्याएं सामने आई हैं। रिपोर्ट में यह आशंका भी व्यक्त की गई है कि लगभग एक-तिहाई परियोजनाएं प्रारंभिक चरण के बाद बंद हो सकती हैं क्योंकि वे अपने निवेश के अनुरूप परिणाम देने में असफल रही हैं। यह निष्कर्ष इस धारणा को चुनौती देता है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता तत्काल सभी समस्याओं का समाधान बन जाएगी।

हालांकि इसका अर्थ यह नहीं है कि एआई एक अस्थायी बुलबुला है जो शीघ्र ही समाप्त हो जाएगा। इतिहास बताता है कि हर बड़ी तकनीकी क्रांति के प्रारंभिक चरण में उत्साह और अतिशयोक्ति दोनों मौजूद रहते हैं। बाद में वास्तविक उपयोगिता के आधार पर उसका संतुलित विकास होता है। इंटरनेट के साथ भी यही हुआ था। प्रारंभिक उत्साह के बाद अनेक कंपनियां समाप्त हो गई, लेकिन इंटरनेट स्वयं विश्व व्यवस्था का आधार बन गया। एआई के साथ भी कुछ ऐसा ही होने की संभावना है। अतः इसका अतिशयोक्तिपूर्ण महिमामंडन भी उचित नहीं है और इसके शीघ्र समाप्त हो जाने की कल्पना भी यथार्थवादी नहीं है। व्यापार जगत में एआई की भूमिका निरंतर बढ़ेगी। उत्पादन, विपणन, ग्राहक सेवा, वित्तीय विश्लेषण और आपूर्ति प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में इसका व्यापक उपयोग होगा। इससे कार्यों की गति और दक्षता बढ़ेगी, किंतु मानव कार्यबल के स्वरूप में परिवर्तन आएगा। भविष्य में केवल तकनीकी ज्ञान पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि समस्या समाधान, रचनात्मकता, नेतृत्व क्षमता और भावनात्मक समझ जैसे गुण अधिक महत्वपूर्ण बनेंगे। इसलिए शिक्षा और कौशल विकास की पूरी व्यवस्था को नए सिरे से तैयार करना होगा।

प्रशासनिक क्षेत्र में भी एआई शासन को अधिक प्रभावी और पारदर्शी बनाने की क्षमता रखती है। नीतिगत विश्लेषण, संसाधनों का वितरण, स्वास्थ्य और शिक्षा योजनाओं का संचालन तथा आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में इसका उपयोग लाभकारी हो सकता है। लेकिन इसके साथ एक बड़ा खतरा भी जुड़ा है। नागरिकों के व्यक्तिगत आंकड़ों का अत्यधिक संग्रह और विश्लेषण होने लगे तो निजता और स्वतंत्रता पर गंभीर संकट उत्पन्न हो सकता है। इसलिए तकनीकी दक्षता और नागरिक अधिकारों के बीच संतुलन बनाए रखना अत्यंत आवश्यक होगा। सैन्य क्षेत्र में एआई का प्रयोग सबसे अधिक चिंताजनक माना जा रहा है। स्वायत्त हथियार प्रणालियां, मानव रहित युद्धक उपकरण और लक्ष्य चयन करने वाली मशीनें युद्ध की प्रकृति को पूरी तरह बदल सकती हैं। यदि किसी मशीन को जीवन और मृत्यु का निर्णय करने की शक्ति मिल जाए तो नैतिक और मानवीय प्रश्न अत्यंत गंभीर हो जाएंगे। इसलिए विश्व स्तर पर ऐसी तकनीकों के नियमन और नियंत्रण की आवश्यकता लगातार महसूस की जा रही है।

इन सबके बीच सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि मानव जीवन सुरक्षित, संतुलित और सार्थक कैसे बना रहे? इसका उत्तर तकनीक के विरोध में नहीं, बल्कि उसके विवेकपूर्ण उपयोग में निहित है। एआई को मानव जीवन का स्वामी नहीं, सहायक बनाना होगा। शिक्षा प्रणाली में नैतिकता, संवेदनशीलता, सह-अस्तित्व और मानवीय मूल्यों को अधिक महत्व देना होगा। मनुष्य की भावनात्मक बुद्धिमत्ता, करुणा, सहानुभूति और आध्यात्मिक चेतना ही वे क्षेत्र हैं जिन्हें कोई मशीन प्रतिस्थापित नहीं कर सकती। साथ ही, वैश्विक स्तर पर ऐसे नियमों और नीतियों की आवश्यकता है, जो एआई के विकास को मानव कल्याण की दिशा में नियंत्रित करें। यदि यह तकनीक केवल कुछ शक्तिशाली कंपनियों या राष्ट्रों के हितों तक सीमित रह गई तो असमानता और संघर्ष बढ़ सकते हैं। इसके विपरीत यदि इसका उपयोग शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक विकास के लिए किया जाए तो यह मानवता के लिए अभूतपूर्व अवसरों का द्वार खोल सकती है। अंततः एआई न तो पूर्णतः वरदान है और न ही अनिवार्य रूप से अभिशाप। यह एक शक्तिशाली साधन है जिसकी दिशा और परिणाम मनुष्य के विवेक पर निर्भर करेंगे। चुनौती मशीनों से नहीं, बल्कि इस बात से है कि क्या मनुष्य अपनी मानवीयता, संवेदनशीलता और नैतिक चेतना को सुरक्षित रख पाएगा। भविष्य का प्रश्न यह नहीं है कि एआई कितनी शक्तिशाली होगी, बल्कि यह है कि मनुष्य कितना सजग, उत्तरदायी और मूल्यनिष्ठ बना रहेगा। यदि मानवता तकनीकी प्रगति और मानवीय मूल्यों के बीच संतुलन स्थापित कर सकी, तो एआई मानव विकास का नया अध्याय लिखेगी अन्यथा यही तकनीक असंतुलन, असमानता और अस्तित्वगत संकट का कारण भी बन सकती है। यही हमारे समय की सबसे बड़ी चुनौती और सबसे बड़ी जिम्मेदारी है।

क्या रवि लामिछाने की भारत यात्रा से सुलझेगा नेपाल-भारत का सीमा विवाद

अशोक भाटिया

नेपाल की सत्ताधारी राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के अध्यक्ष रवि लामिछाने आज 1 जून को भारत की पांच दिवसीय यात्रा पर रवाना हो रहे हैं। बालेन शाह के नेतृत्व में नेपाल में नई सरकार के गठन के बाद सत्ताधारी पार्टी के किसी वरिष्ठ नेता की यह पहली भारत यात्रा है। लामिछाने का दौरा ऐसे समय में हो रहा है, जब एक दिन पहले ही प्रधानमंत्री बालेन शाह के संसद में पहले भाषण में भारत को लेकर दिए बयान पर नेपाल की राजनीति गरमाई हुई है।लामिछाने का यह दौरान भारत की सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष नितिन नवीन के निमंत्रण पर हो रहा है। नई दिल्ली प्रवास के दौरान लामिछाने भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर, विदेश सचिव विक्रम मिसरी और सरकार के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठकें करने की उम्मीद है। वे बीजेपी के वरिष्ठ नेताओं से भी बातचीत करेंगे। लामिछाने के बीजेपी मुख्यालय जाने की भी उम्मीद है।

यात्रा से परिचित सूत्रों का कहना है कि लामिछाने की भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच बैठक आयोजित करने के प्रयास जारी हैं। हालांकि, इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। इस यात्रा के दौरान लामिछाने की पत्नी निकिता पौडेल, फरढ के महासचिव बिपिन आचार्य, सांसद दीपक बोहरा और प्रदीप आचार्य साथ रहेंगे।

गौरतलब है कि नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह ने संसद में सीमा विवाद को लेकर कहा था कि नेपाल ने भी भारत की जमीनों पर कब्जा किया है।इस बयान से नेपाल विवाद पैदा हो गया, जिसके बाद अब वहां के विदेश मंत्रालय ने इस मामले पर सफाई भी दी । रविवार को एक बयान जारी करते हुए विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि प्रधानमंत्री शाह की टिप्पणी दोनों देशों के बीच 'नो-मैन्स लैंड' और सीमा पार के कब्जे से जुड़ी हुई थी। बयान में कहा गया कि भारत के साथ नेपाल की वर्तमान सीमा 1816 की सुगौली संधि पर आधारित है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने बयान में कहा, 'नेपाल-भारत सीमा क्षेत्र में लिम्पियाधुरा, लिपुलेख, कालापानी और सुस्ता ऐसे क्षेत्र हैं जिनका सीमांकन किया जाना अभी बाकी है। नेपाल और भारत दोनों ने कूटनीतिक माध्यमों और आपसी चर्चा से सीमा मुद्दों को सुलझाने की प्रतिबद्धता जताई है।' नेपाली प्रधानमंत्री की टिप्पणियों के बाद नेपाल में विवाद शुरू हो गया है। नेपाली कांग्रेस और नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी के नेताओं ने बालेन शाह की टिप्पणियों पर आपत्ति जताते हुए संसद के रिकॉर्ड से हटाने की मांग की। विपक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री को सबूत पेश करने चाहिए या अपना बयान वापस लेना चाहिए। भारत और नेपाल के बीच वर्षों से चले आ रहे सीमा विवाद पर नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह की एक टिप्पणी अब एक और ने नया राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया है। उन्होंने कहा कि केवल भारत ने ही नहीं, बल्कि नेपाल ने भी भारत की जमीन पर कब्जा किया है। संसद में दिए गए उनके बयान के बाद विपक्ष ने सवाल उठाए। इस पर नेपाल के विदेश मंत्रालय को आधिकारिक सफाई जारी करनी पड़ी।

ज्ञात हो कि इस वर्ष नेपाल के सबसे युवा प्रधानमंत्री बने बालेन शाह पहली बार अपने देश की संसद को संबोधित कर रहे थे। अपने भाषण के दौरान उन्होंने भारत और नेपाल के बीच कालापानी, लिपुलेख और लिम्पियाधुरा को लेकर जारी सीमा विवाद का जिक्र किया। हालांकि, उन्होंने विवाद के समाधान के लिए दोनों देशों को मित्रतापूर्ण बातचीत की सलाह दी, लेकिन इसी दौरान दिया गया उनका एक बयान चर्चा का विषय बन गया। 35 वर्षीय प्रधानमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री बनने के बाद उन्हें एक ऐसी जानकारी मिली जिसने उन्हें भी हैरान कर दिया। उनके अनुसार, केवल भारत ने ही नेपाली क्षेत्र में अतिक्रमण नहीं किया है, बल्कि नेपाल ने भी कई स्थानों पर भारतीय भूमि पर कब्जा किया है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों को इतिहासकारों, सर्वेक्षकों और विशेषज्ञों की मदद से तथ्यों का अध्ययन करना चाहिए और फिर मित्र देशों की तरह बैठकर इस मुद्दे का समाधान निकालना चाहिए। बालेन शाह ने नेपाल संसद को बताया कि नेपाल ने सीमा विवाद से जुड़े मुद्दों को चीन और ब्रिटेन के समक्ष भी उठाया है। उन्होंने कहा कि ब्रिटेन को इस पर रुचि लेनी चाहिए, क्योंकि यह मुद्दा उसी समय का है, जब उन्होंने देश छोड़ा था। ब्रिटेन का उल्लेख उन्होंने क्षेत्र में उसके औपनिवेशिक इतिहास के संदर्भ में किया।

प्रधानमंत्री की टिप्पणी पर नेपाल की राजनीति में तुरंत प्रतिक्रिया देखने को मिली। नेपाली कांग्रेस की बसना थापा और नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी के रमेश मल्ला समेत कई विपक्षी सांसदों ने बयान पर आपत्ति जताई। उन्होंने मांग की कि प्रधानमंत्री या तो अपने दावे के समर्थन में प्रमाण पेश करें या फिर बयान वापस लें। पूर्व विदेश मंत्री प्रदीप ज्ञवाली ने भी कथित तौर पर प्रधानमंत्री से माफी मांगने की मांग कर डाली ।

नेपाल-भारत सीमा मामलों के विशेषज्ञ और भूगोलवेत्ता बुद्धि नारायण श्रेष्ठ ने प्रधानमंत्री के दावे को खारिज किया। उन्होंने कहा कि नेपाल द्वारा भारतीय क्षेत्र पर अतिक्रमण किए जाने का कोई उदाहरण नहीं है। हालांकि, उन्होंने माना कि कुछ सीमावर्ती इलाकों में सीमा स्तंभों के गायब होने और लोगों के आवागमन के कारण दोनों देशों के किसानों ने एक-दूसरे की जमीन का उपयोग किया है, लेकिन इसे सरकारी स्तर पर अतिक्रमण नहीं कहा जा सकता।

इंडिया टुडे की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में नेपाल के पूर्व राजदूत नीलाम्बर आचार्य ने कहा कि प्रधानमंत्री के पास नेपाल द्वारा भारतीय भूमि पर अतिक्रमण किए जाने संबंधी कोई ठोस जानकारी नहीं है। उन्होंने बताया कि भारत और नेपाल के बीच लगभग 97 प्रतिशत सीमा विवाद पहले ही सुलझाए जा चुके हैं। कुछ इलाकों में सीमा स्तंभों के अभाव के कारण भूमि उपयोग में ओवरलैप हो सकता है, लेकिन नेपाल द्वारा भारतीय क्षेत्र पर कब्जे का कोई आधिकारिक रिकॉर्ड नहीं है।प्रधानमंत्री के बयान के कुछ घंटों बाद नेपाल के विदेश मंत्रालय ने स्पष्टीकरण जारी किया। मंत्रालय ने कहा कि प्रधानमंत्री का आशय यह नहीं था कि नेपाल ने आधिकारिक तौर पर भारतीय भूमि पर कब्जा कर लिया है। मंत्रालय के अनुसार, उन्होंने सीमा क्षेत्र में मौजूद नो मैन्स लैंड और दोनों देशों के लोगों द्वारा एक-दूसरे की जमीन के उपयोग से जुड़ी परिस्थितियों का उल्लेख किया था। सफाई में कहा गया कि कुछ ऐसे क्षेत्र हो सकते हैं जहां भारतीय नागरिकों द्वारा उपयोग की जा रही भूमि नेपाल की सीमा में आती हो और इसी तरह कुछ नेपाली नागरिक भारतीय क्षेत्र में स्थित भूमि का उपयोग कर रहे हों। मंत्रालय ने इसे सीमा पार भूमि उपयोग और क्रॉस-बॉर्डर ऑक्युपेशन से जुड़ा मामला बताया। विदेश मंत्रालय ने यह भी कहा कि दोनों देशों की तकनीकी टीमें और सीमा संबंधी तंत्र सीमा स्तंभों की मरम्मत, निर्माण और दशगजा क्षेत्रों से जुड़े आंकड़े एकत्र करने का काम लगातार कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री का यह बयान ऐसे समय आया है जब कुछ सप्ताह पहले ही नेपाल ने लिपुलेख मार्ग से होने वाली कैलाश मानसरोवर यात्रा पर औपचारिक आपत्ति दर्ज कराई थी। नेपाल के विदेश मंत्रालय ने कहा था कि 1816 की सुगौली संधि के अनुसार लिम्पियाधुरा, लिपुलेख और कालापानी नेपाल के अभिन्न हिस्से हैं। वहीं, भारत का कहना है कि ये इलाके उत्तराखंड का हिस्सा हैं।

दोनों देश इन क्षेत्रों पर अपना दावा करते हैं। भारत, चीन और नेपाल के त्रि-जंक्शन के निकट स्थित ये क्षेत्र कई वर्षों से विवाद का केंद्र रहे हैं। जून 2021 में तत्कालीन प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली सरकार ने नया राजनीतिक नक्शा जारी कर कालापानी, लिपुलेख और लिम्पियाधुरा को नेपाल का हिस्सा दिखाया था।भारत ने नेपाल के इस दावे को खारिज करते हुए इसे एकतरफा और कृत्रिम रूप से सीमा विस्तार का प्रयास बताया था। भारत का कहना है कि इन क्षेत्रों का समाधान द्विपक्षीय वार्ता के जरिए होना चाहिए।

पीडीए नहीं, विकास का भरोसा जीतेगा 2027 का चुनाव, काशी में मोदी जी की जीत का अंतर भी बढ़ेगा

-सुरेश गांधी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में लगभग एक दशक बाद भाजपा संगठन को नया जिला अध्यक्ष मिला है। सेवापुरी विधानसभा क्षेत्र के मेहंदीगंज गांव निवासी और लंबे समय से संगठन में सक्रिय रहे रामसकल पटेल को पार्टी ने जिले की कमान सौंपी है। उनके नाम की घोषणा होते ही काशी के राजनीतिक गलियारों में चचाओं का दौर शुरू हो गया। कार्यकताओं ने मिठाइयां बांटी, समर्थकों का उनके आवास पर तांता लग गया और भाजपा संगठन ने इसे जमीनी कार्यकताओं के सम्मान के रूप में प्रस्तुत किया। खास यह है कि रामसकल पटेल ऐसे समय जिलाध्यक्ष बनाए गए हैं, जब भाजपा 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुट चुकी है। संगठन विस्तार, बूथ सशक्तीकरण, सामाजिक समीकरण और विपक्ष के पीडीए फामूर्ले को लेकर भाजपा की रणनीति क्या होगी? इन्हीं मुद्दों पर सीनियर रिपोर्टर सुरेश गांधी ने उनसे विस्तार से बातचीत की। उन्होंने बिल्कुल साफ शब्दों में बिना लागलपेट के दो टूक कहा, भाजपा में कार्यकर्ता ही सबसे बड़ा नेता है. जातीय राजनीति नहीं बल्कि विकास और सामाजिक समरसता ही हमारी ताकत है

प्रश्न : आपको प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कर्मभूमि वाराणसी का जिलाध्यक्ष बनाया गया है। इस जिम्मेदारी को किस रूप में देखते हैं?

रामसकल पटेल : यह मेरे लिए केवल पद नहीं बल्कि बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। मैं पार्टी के शीर्ष नेतृत्व, प्रदेश नेतृत्व और सभी वरिष्ठ कार्यकताओं का आभार व्यक्त करता हूं, जिन्होंने मुझ जैसे सामान्य कार्यकर्ता पर विश्वास जताया। काशी केवल एक जिला नहीं है, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की कर्मभूमि और देश की सांस्कृतिक राजधानी है। यहां संगठन की जिम्मेदारी मिलना किसी सम्मान से कम नहीं है। मैं संगठन में लगभग दो दशक से विभिन्न जिम्मेदारियों पर कार्य करता रहा हूं। किसान मोर्चा, जिला कार्यसमिति सदस्य, जिला संयोजक सहित कई दायित्व निभाने का अवसर मिला। अब जिलाध्यक्ष के रूप में मेरा प्रयास रहेगा कि संगठन को बूथ स्तर तक और मजबूत बनाया जाए।

प्रश्न : आपके नाम की घोषणा के बाद कहा जा रहा है कि भाजपा ने किसी बड़े चेहरे के बजाय एक जमीनी कार्यकर्ता को आगे बढ़ाया है?

रामसकल पटेल : भाजपा की सबसे बड़ी पहचान यही है। यहां व्यक्ति नहीं, कार्यकर्ता महत्वपूर्ण होता है। मैं किसी राजनीतिक परिवार से नहीं आता। एक साधारण कार्यकर्ता के रूप में गांव-गांव और बूथ-बूथ पर काम किया है। भाजपा में कार्यकर्ता को सम्मान मिलता है और पार्टी ने मेरे चयन के माध्यम से यही संदेश दिया है कि समर्पण और मेहनत कभी व्यर्थ नहीं जाती। आज देशभर में ऐसे हजारों उदाहरण हैं जहां सामान्य कार्यकर्ता संगठन और सरकार में महत्वपूर्ण पदों तक पहुंचे हैं। भाजपा की यही कार्यसंस्कृति उसे अन्य दलों से अलग बनाती है।

प्रश्न : वाराणसी के इतिहास में पहली बार पटेल समाज से किसी नेता को जिलाध्यक्ष बनाया गया है। इसे किस रूप में देखते हैं?

रामसकल पटेल : मैं इसे किसी जाति विशेष के प्रतिनिधित्व के रूप में नहीं देखता, बल्कि भाजपा की समावेशी सोच के रूप में देखता हूं। पार्टी ने हमेशा समाज के हर वर्ग को सम्मान दिया है। भाजपा सामाजिक न्याय को केवल नारे के रूप में नहीं बल्कि व्यवहार में लागू करती है। मैं ओबीसी समाज से आता हूं, लेकिन मेरी जिम्मेदारी पूरे जिले और समाज के हर वर्ग के प्रति है। भाजपा सबको साथ लेकर चलने वाली पार्टी है और आगे भी यही भावना संगठन में दिखाई देगी।

प्रश्न : समाजवादी पार्टी 2027 में पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) को बड़ा मुद्दा बना रही है। भाजपा इसकी काट कैसे करेगी?

रामसकल पटेल : भाजपा को किसी की काट खोजने की जरूरत नहीं है। भाजपा का मॉडल पहले से स्पष्ट है, सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास। जहां तक पीडीए की बात है, वह समाजवादी पार्टी का राजनीतिक नारा हो सकता है, लेकिन भाजपा की सामाजिक भागीदारी जमीन पर दिखाई देती है। भाजपा ने समाज के हर वर्ग को प्रतिनिधित्व दिया है। सरकार और संगठन दोनों में पिछड़े, दलित, वंचित, महिलाएं और युवा महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों में हैं। हम मानते हैं कि विकास की कोई जाति नहीं होती। प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत, किसान सम्मान निधि और अन्य योजनाओं का लाभ बिना भेदभाव हर पात्र व्यक्ति तक पहुंचा है। यही भाजपा की असली सामाजिक न्याय की अवधारणा है।

काशी की राजनीति में कुछ नियुक्तियां केवल संगठनात्मक फेरबदल नहीं होतीं, वे भविष्य की दिशा और नेतृत्व की प्राथमिकताओं का संकेत भी देती हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कर्मभूमि वाराणसी में भाजपा ने जब रामसकल पटेल को जिलाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी, तो यह निर्णय केवल एक नए चेहरे की ताजपोशी भर नहीं रहा। लगभग दो दशक तक संगठन की सीढ़ियां चढ़ते हुए गांव, किसान और बूथ स्तर की राजनीति में सक्रिय रहे एक कार्यकर्ता को जिले की कमान देकर भाजपा ने यह संदेश देने का प्रयास किया है कि उसकी राजनीति अभी भी कार्यकर्ता-आधारित ढांचे पर खड़ी है। ऐसे समय में जब उत्तर प्रदेश की राजनीति 2027 के विधानसभा चुनाव की आहट सुनने लगी है और विपक्ष सामाजिक समीकरणों के नए फामूर्ले गढ़ रहा है, तब काशी में भाजपा का यह दांव राजनीतिक और सामाजिक दोनों दृष्टियों से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। प्रस्तुत है संगठन, सामाजिक भागीदारी, पीडीए की चुनौती और 2027 की रणनीति पर

प्रश्न : यानी आप पीडीए की राजनीति को प्रभावी नहीं मानते?

रामसकल पटेल : जनता बहुत जागरूक है। वह अब केवल नारों और समीकरणों के आधार पर निर्णय नहीं करती। उत्तर प्रदेश की जनता ने देखा है कि भाजपा सरकार में कानून व्यवस्था मजबूत हुई है, माफियाओं पर कार्रवाई हुई है, एक्सप्रेसवे बने हैं, निवेश आया है और विकास गांव तक पहुंचा है। जनता जातिवाद से ऊपर उठकर विकास, सुरक्षा और सुशासन को महत्व दे रही है। मुझे विश्वास है कि 2027 में भी यही मुद्दे निर्णायक साबित होंगे।

प्रश्न : 2027 विधानसभा चुनाव को लेकर आपकी प्राथमिक रणनीति क्या होगी?

रामसकल पटेल : हमारी पहली प्राथमिकता संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करना है। भाजपा की ताकत उसका बूथ कार्यकर्ता है। प्रत्येक बूथ पर सक्रिय टीम तैयार करना, नए कार्यकताओं को जोड़ना और सरकार की उपलब्धियों को घर-घर तक पहुंचाना हमारी रणनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा होगा। हम मंडल, सेक्टर और बूथ स्तर पर लगातार संवाद बढ़ाएंगे। युवा, महिला, किसान और समाज के सभी वर्गों को संगठन से जोड़ने का अभियान चलाया जाएगा।

प्रश्न : वाराणसी में भाजपा का जनाधार पहले से मजबूत है। फिर भी संगठन को और मजबूत करने की आवश्यकता क्यों है?

रामसकल पटेल : राजनीति में ठहराव का कोई स्थान नहीं होता। जितनी बड़ी सफलता मिलती है, उतनी ही बड़ी जिम्मेदारी बढ़ जाती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने काशी को नई पहचान दी है। काशी विश्वनाथ धाम, रिंग रोड, रोपवे, रेलवे, पर्यटन, घाटों का विकास और बुनियादी सुविधाओं में जो परिवर्तन हुआ है, वह पूरे देश के सामने है। अब संगठन की जिम्मेदारी है कि इन उपलब्धियों को हर व्यक्ति तक पहुंचाए और जनता के साथ निरंतर संवाद बनाए रखे।

प्रश्न : विपक्ष अक्सर कहता है कि भाजपा सामाजिक ध्रुवीकरण की राजनीति करती है?

रामसकल पटेल : भाजपा समाज को जोड़ने की राजनीति करती है। अगर भाजपा समाज को बांटती तो देश के हर वर्ग का समर्थन उसे नहीं मिलता। भाजपा की योजनाओं का लाभ सभी को मिला है। प्रधानमंत्री मोदी जी ने हमेशा सबका साथ, सबका विकास की बात की है और उसी पर काम किया है। विपक्ष के पास सकारात्मक मुद्दों का अभाव है, इसलिए वह ऐसे आरोप लगाता है। जनता वास्तविकता जानती है।

प्रश्न : कार्यकताओं के लिए आपका संदेश क्या है?

रामसकल पटेल : मैं सभी कार्यकताओं से कहना चाहता हूं कि यह किसी व्यक्ति की नहीं बल्कि पूरे संगठन की जिम्मेदारी है। भाजपा कार्यकताओं की पार्टी है और कार्यकर्ता ही इसकी सबसे बड़ी ताकत हैं। हम सब मिलकर संगठन को और मजबूत बनाएंगे। हर कार्यकर्ता का सम्मान सुनिश्चित किया जाएगा। उनके सुझावों और अनुभवों को महत्व दिया जाएगा। संगठन और कार्यकर्ता के बीच संवाद को और बेहतर बनाया जाएगा।

प्रश्न : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र को लेकर आपकी क्या विशेष योजना है?

रामसकल पटेल : काशी पूरे देश की आस्था और संस्कृति का केंद्र है। प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में यहां अभूतपूर्व विकास हुआ है। हमारा प्रयास रहेगा कि विकास और जनसेवा के इस अभियान को और गति मिले। संगठन जनता और सरकार के बीच सेतु की भूमिका निभाएगा।

प्रश्न : आगामी लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री मोदी की जीत के अंतर को लेकर आपका क्या दावा है?

रामसकल पटेल : काशी और मोदी जी का रिश्ता केवल सांसद और मतदाता का नहीं है। यह आत्मीयता और विश्वास का रिश्ता है। पिछले वर्षों में काशी में जो परिवर्तन हुआ है, उसे जनता प्रत्यक्ष रूप से देख रही है। मुझे पूरा विश्वास है कि आने वाले चुनावों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी को पहले से भी अधिक जनसमर्थन मिलेगा और उनकी जीत का अंतर और बढ़ेगा। काशी एक बार फिर देश को मजबूत संदेश देगी।

भाजपा में कार्यकर्ता बनता है नेता

मैं किसी राजनीतिक परिवार से नहीं आता। एक सामान्य कार्यकर्ता के रूप में 20 वर्षों तक संगठन के लिए काम किया। भाजपा ने मुझे जिलाध्यक्ष बनाकर साबित किया है कि यहां पद नहीं, परिश्रम और समर्पण की पहचान होती है... रामसकल पटेल, जिलाध्यक्ष, भाजपा वाराणसी

एक नजर में रामसकल पटेल

सेवापुरी विधानसभा क्षेत्र के मेहंदीगंज गांव के निवासी

लगभग दो दशक से भाजपा संगठन में सक्रिय

किसान मोर्चा सहित कई संगठनात्मक दायित्व संभाले

जिला कार्यसमिति सदस्य और जिला संयोजक रह चुके हैं

ओबीसी समाज में मजबूत पकड़

वाराणसी में पटेल समाज से पहले भाजपा जिलाध्यक्ष

2027 विधानसभा चुनाव से पहले मिली महत्वपूर्ण जिम्मेदारी

बेकाबू अफसरशाही पर कितनी असरकारक होगी मुख्य सचिव की फटकार

-पवन वर्मा-विनायक फीचर्स

मध्य प्रदेश की प्रशासनिक व्यवस्था इन दिनों एक अत्यंत महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ी है। प्रदेश के मुख्य सचिव अनुराग जैन द्वारा हाल ही में कलेक्टरों और पुलिस अधीक्षकों के साथ की गई समीक्षा बैठकों में जिस तरह का सख्त लहजा अपनाया गया है, वह प्रदेश में प्रशासनिक सुस्ती और बढ़ती अफसरशाही पर एक बड़ा प्रश्नचिन्ह खड़ा करता है। जिस तरह से कानून-व्यवस्था, अवैध खनन, पेयजल और विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर कलेक्टरों को कड़ी चेतावनी दी गई है, वह स्थिति यह संकेत देती है कि जमीनी स्तर पर प्रशासनिक नियंत्रण अपनी पकड़ खो रहा है।

प्रशासनिक पदानुक्रम में जब राज्य का सर्वोच्च प्रशासनिक अधिकारी स्वयं जिलों के मुखियाओं को यह याद दिलाए कि 'गुजरे जमाने के तौर-तरीके अब नहीं चलेंगे', तो यह सीधे तौर पर जिला प्रशासन की विफलता को ही दिखाता है। अवैध खनन पर प्रशासन का खौफ न होने पर यह तीखी टिप्पणी की गई है। जब प्रशासनिक अधिकारियों के क्षेत्र में आम नागरिक जनसुनवाई में जहर खाने या आत्मदाह करने जैसी चरम सीमाओं तक पहुँचने पर मजबूर हो जाते हैं, तो यह व्यवस्था में व्याप्त संवेदनहीनता को ही दशार्ता है। मुख्य सचिव के हालिया तेवर देख ऐसा माना जा सकता है कि राज्य सरकार अब और बर्दाश्त करने के मूड में नहीं है। मैहर और सिंगरौली जैसे जिलों में बढ़ते प्रदूषण के मामलों पर नाराजगी जताना यह बताने के लिए पर्याप्त है कि स्थानीय स्तर पर नियमों की धज्जियाँ उड़ाई जा रही हैं। यह केवल एक विभाग की समस्या नहीं है, बल्कि एक व्यापक प्रशासनिक गिरावट का संकेत है, जहाँ कलेक्टर और एसपी स्तर के अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों की समस्याओं के प्रति गंभीर नहीं हैं।

अक्सर यह देखा गया है कि उच्च स्तर पर समीक्षा बैठकें होती हैं, फटकारें लगाई जाती हैं, नाराजगी जताई जाती है, लेकिन धरातल पर परिणाम शून्य ही रहते हैं। मुख्य सचिव ने स्पष्ट किया है कि वे अब ऐसी स्थिति को कतई बर्दाश्त नहीं करेंगे। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि कलेक्टर-कमिश्नर अब अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी जिम्मेदारी के साथ करें। सवाल यह उठता है कि क्या केवल मौखिक निर्देश और फटकार ही इस बेकाबू अफसरशाही को नियंत्रित करने के लिए पर्याप्त हैं? राज्य की प्रशासनिक संरचना में जवाबदेही का अर्थ यह होना चाहिए कि यदि निर्धारित समयसीमा के भीतर लक्ष्य पूरे नहीं होते, तो संबंधित अधिकारी पर कठोर प्रशासनिक कार्रवाई की जाए। कई लंबित कार्यों और विभागीय कोताही पर नाराजगी जताई गई है, लेकिन इस नाराजगी पर अभी भी ठोस प्रशासनिक एक्शन की प्रतीक्षा है। जब तक प्रशासनिक तंत्र को यह डर नहीं होगा कि गलत काम या निष्क्रियता का परिणाम दंड के रूप में मिलेगा, तब तक वे पूरी तरह सतर्क नहीं होंगे। सुशासन का अर्थ केवल फाइलों को गति देना नहीं है, बल्कि उस आखिरी व्यक्ति तक राहत पहुँचाना है, जिसके लिए सरकार बनी है। मुख्य सचिव अनुराग जैन ने जिस तरह से जबलपुर और नरसिंहपुर में पराली जलाने और कृषि से जुड़ी समस्याओं पर कलेक्टरों को घेरा, वह दशार्ता है कि राज्य के नीतिगत फैसले जिला स्तर पर लागू नहीं हो रहे हैं। पेयजल की समस्या पर भी स्थिति चिंताजनक है। राज्य में अनेक सरकारी हैंडपंपों पर निजी कब्जे हैं और स्थानीय प्रशासन मूकदर्शक बना रहे?

यह एक गंभीर प्रशासनिक चूक है जो सीधे तौर पर सुशासन के दावों पर सवाल उठाती है। मुख्य सचिव ने कहा है कि अब ऐसी शिकायतों पर कड़ी कार्रवाई हो। आशा की जानी चाहिए कि मुख्य सचिव के इस निर्देश के बाद अब किसी भी स्तर पर होने वाली कोताही को नजरअंदाज नहीं किया जाएगा। प्रशासन का मूल काम आम आदमी की समस्याओं का समाधान करना है, लेकिन यदि अधिकारी अपनी कार्यशैली नहीं बदलते, तो सरकार की पूरी मशीनरी पर ही प्रश्नचिन्ह लग जाता है।

मुख्य सचिव की इस चेतावनी का एक व्यापक असर यह हो सकता है कि प्रशासनिक अधिकारी अपने दायित्वों और जनहितैषी कार्यो के लिए सजग हो। अवैध परिवहन करने वाले वाहनों की नीलामी और प्रदूषण फैलाने वाली इकाइयों का निरीक्षण करना, एक सामान्य प्रशासनिक कार्य है। यदि मुख्य सचिव को इन कार्यों के लिए बार-बार निर्देश देने पड़ रहे हैं, तो यह उस प्रशासनिक तंत्र की कमजोरी है, जिसे स्वतः ही इन कार्यों को पूरा करना चाहिए था। अनुशासनहीनता की जड़ें जब गहरी हो जाती हैं, तो उन्हें उखाड़ने के लिए केवल फटकार पर्याप्त नहीं होती। सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह किस तरह से अधिकारियों के बीच काम करने की संस्कृति को दोबारा विकसित करे। प्रदेश में जो कलेक्टर या एसपी अपने कार्यक्षेत्र में प्रभावशाली ढंग से कार्य नहीं कर पा रहे हैं, उनके विरुद्ध कठोर प्रशासनिक निर्णयों की आवश्यकता अब बढ़ती जा रही है। मुख्य सचिव की यह भूमिका एक चेतावनी के रूप में देखी जा सकती है, जिसके बाद यदि स्थिति नहीं सुधरती, तो प्रशासनिक फेरबदल और सख्त अनुशासनिक कदम अपरिहार्य हो जाएंगे।

हर्षोल्लास से मनाया गया पूर्व नगरसेवक हनुमान चौधरी का जन्मदिन, शुभकामनाएं देने वालों का उमड़ा जनसैलाब

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी मनपा के पूर्व नगरसेवक हनुमान चौधरी का जन्मदिन उनके जनसंपर्क कार्यालय ताडाली कामतघर में हर्षोल्लाश व धूमधाम के साथ मनाया गया। बतादें कि हनुमान चौधरी सदैव क्षेत्रवासियों के सुख दुःख में शामिल रहने के साथ लोगों को आर्थिक सहयोग करने से पीछे नहीं रहते जिसके लिए उन्हें दानसूर कहा जाता है। इस अवसर पर क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों, सामाजिक कार्यकताओं, राजनीतिक पदाधिकारियों एवं बड़ी संख्या में समर्थकों ने उपस्थित होकर उन्हें जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर हनुमान चौधरी के समर्थकों और शुभचिंतकों का जनसैलाब उनके कार्यालय पर देखने को मिला। लोगों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर एवं केक काटकर उनके उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की। शुभकामनाएँ देने वालों में पूर्व केन्द्रीय मंत्री कपिल पाटिल, भाजपा विधायक महेश चौगुले, वरिष्ठ नगरसेवक निलेश चौधरी, नगरसेवक सुमित पाटिल, भाजपा जिलाध्यक्ष रवि सावंत, भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष एडवोकेट हर्षल पाटिल, भिवंडी शहर जिला भाजपा ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष बिठोवा नाईक, नगरसेवक राजू चौगुले, समाज सेवक साईनाथ पवार, प्रसाद पाटिल, दीपक मढवी सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने उपस्थित होकर हनुमान चौधरी को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। वहीं महिला कार्यकताओं सुनीता यादव भारी संख्या में महिलाओं के साथ समारोह में पहुंचीं और हनुमान चौधरी का अभिनंदन करते हुए उन्हें जन्मदिन की हार्दिक बधाई दी। उपस्थित लोगों ने हनुमान चौधरी द्वारा समाजहित में किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। शुभकामनाएं देने वालों का सुबह से देर रात तक तांता लगा रहा और जनसंपर्क कार्यालय का माहौल उत्सवमय बना रहा। अंत में हनुमान चौधरी ने सभी आगंतुकों, समर्थकों एवं शुभचिंतकों का आभार व्यक्त करते हुए उनके प्रेम और स्नेह के लिए धन्यवाद दिया।

कल्याण ग्रामीण के युवक ने भारतीय सेना में पाई जगह, महेश गायकवाड ने किया सम्मान

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण ग्रामीण क्षेत्र के अत्यंत गरीब परिवार से आने वाले युवक मानव संतोष कुंभारकर ने भारतीय सेना में भर्ती होकर देशसेवा का मार्ग चुनते हुए पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। प्रतिकूल आर्थिक परिस्थितियों को पार कर सेना में स्थान प्राप्त करने वाले मानव कुंभारकर की हर तरफ सराहना हो रही है। इसी क्रम में शिवसेना संपर्क प्रमुख महेश गायकवाड ने मानव कुंभारकर और उनके परिवार से मुलाकात कर उनका सम्मान किया। साथ ही उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए सेना में चयन होने पर बधाई दी। इस अवसर पर महेश गायकवाड ने कहा कि, ह्नमानव संतोष कुंभारकर ने बेहद कठिन परिस्थितियों में संघर्ष करते हुए भारतीय सेना में स्थान हासिल किया है। वह आज के युवाओं के लिए प्रेरणादायक उदाहरण हैं। देशसेवा केवल एक नौकरी नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति सर्वोच्च कर्तव्य है। आर्थिक कठिनाइयों के बावजूद मेहनत, लगन और दृढ़ इच्छाशक्ति से सफलता प्राप्त की जा सकती है, यह मानव ने साबित कर दिखाया है। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे मोबाइल और सोशल मीडिया के अत्यधिक उपयोग से दूर रहकर शिक्षा, खेल और देशसेवा के क्षेत्र में आगे बढ़ें। मानव कुंभारकर की इस उपलब्धि से ग्रामीण क्षेत्र के कई युवाओं को प्रेरणा मिलेगी, ऐसा उपस्थित लोगों ने भी कहा। इस दौरान मानव के परिवार ने महेश गायकवाड का आभार व्यक्त किया। वहीं, स्थानीय नागरिकों ने भी मानव की सफलता का स्वागत करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

ढुकरा के मेरा प्यार सीजन 2 के ट्रेलर में पावर, पॉलिटिक्स और अधूरी मोहब्बत का खेल

मुंबई/पटना। इंतजार की घड़ियाँ अब और भी रोमांचक हो चुकी हैं। ढुकरा के मेरा प्यार सीजन 2 का ट्रेलर आ चुका है, जो दर्शकों को सीधे एक ऐसी दुनिया में ले जाता है, जहाँ मोहब्बत मासूम नहीं रह जाती, बल्कि ताकत की कीमत व्यक्तिगत रूप से चुकानी पड़ती है।

धवल ठाकुर एक ऐसे इंसान कुलदीप कुमार का किरदार निभाते हुए वापसी कर रहे हैं जो अपराधबोध और जुनून के बीच जूझ रहा है। एक ऐसा इंसान जिसने कभी कोई एक ऐसी गलती की थी, जिससे सब कुछ तहस-नहस हो गया और अब एक बार फिर वह खुद को राजनीति, सत्ता और अधूरी भावनाओं के खतरनाक जाल में खिंचता हुआ पाता है। संचिता बसु, शानविका चौहान के रूप में और भी ज्यादा धाकड़, दमदार और शक्तिशाली बनकर उभरती हैं। सत्ता के बेरहम गलियारों से गुजरते हुए वह नियमों को मानने से साफ तौर पर इंकार कर देती है, भले ही इसके लिए उसे इस रास्ते में रिश्तों की परिभाषा को ही क्यों न बदलना पड़े।

गर्मियों में ठंडक की रोजाना खुराक: डाबर रीयल कोकोनट वाटर

मुंबई/पटना। देश भर में बढ़ते तापमान को देखते हुए, भारत की प्रमुख आयुर्वेद कंपनी डाबर इंडिया लिमिटेड ने 'रियल एक्टिव कोकोनट वॉटर' को हाइड्रेटेड रहने के एक बेहतरीन प्राकृतिक समाधान के रूप में पेश किया है। बेहतरीन नारियलों से तैयार इस नारियल पानी में अलग से कोई चीनी नहीं मिलाई गई है और यह प्राकृतिक इलेक्ट्रोलाइट्स से भरपूर है। बाजार में मौजूद ज्यादा चीनी वाले कोल्ड ड्रिंक्स और सोडा के मुकाबले, कंपनी ने इसे एक फैट-फ्री और लो-कैलोरी ड्रिंक के तौर पर एक बेहतरीन विकल्प के रूप में प्रस्तुत किया है। डाबर इंडिया लिमिटेड के वाइस प्रेसिडेंट- मार्केटिंग, श्री मयंक कुमार ने कहा, रियल एक्टिव कोकोनट वॉटर गर्मियों का एक परफेक्ट साथी है, जो शरीर को नेचुरल इलेक्ट्रोलाइट्स देकर थकान दूर करता है और पानी की कमी पूरी करता है। इसमें अलग से चीनी नहीं मिलाई गई है, इसलिए आप इसे बिना किसी फिक्र के पी सकते हैं।

जोगेश्वरी की जनता को बड़ी सौगात

महाराज भुवन स्थित नेमाणे पुल का सांसद रविंद्र वायकर ने किया लोकार्पण

मुंबई (उत्तरशक्ति)। दूरदृष्टि और विकासात्मक कार्यों के लिए प्रसिद्ध पूर्व नगरसेवक, पूर्व विधायक एवं वर्तमान सांसद रविंद्र वायकर अपने जनहित कार्यों के कारण लगातार चचाओं में रहते हैं। ह्नजो ना देखे कवि, वो देखे रविह्न जैसी पहचान रखने वाले रविंद्र वायकर ने जोगेश्वरी क्षेत्र के जर्जर और खतरनाक हो चुके पुलों के पुनर्निर्माण के लिए लगातार प्रयास किए।

मुंबई महानगरपालिका में चार वर्षों तक नगरसेवकों के पद रिक्त रहने के कारण कई विकास कार्य प्रभावित हुए थे। इसी दौरान तत्कालीन विधायक रविंद्र वायकर ने जोगेश्वरी क्षेत्र के मजास नाले पर स्थित जर्जर पुलों के पुनर्निर्माण हेतु महानगरपालिका के समक्ष लगातार पाठपुरावा किया। उनके प्रयासों से मेघवाड़ी नाका, समर्थनगर में प्रवीण शिंदे कार्यालय के समीप, हीरा कॉम्प्लेक्स, धोबी घाट गांधी नगर, बांद्रेकरवाड़ी भवानी चौक तथा महाराज भुवन स्थित नेमाणे ब्रिज सहित कई पुलों के लिए निधि उपलब्ध कराई गई।

नेमाणे पुल के निर्माण के लिए अप्रैल 2022 में लगभग 2 करोड़ 21 लाख रुपये का निधि मंजूर कराया गया था, जिसका भूमिपूजन तत्कालीन विधायक रविंद्र वायकर द्वारा किया गया था। अब इस पुल का लोकार्पण शुक्रवार, 29 मई 2026 को सांसद रविंद्र वायकर के हस्ते स्थानीय नागरिकों के लिए किया गया।

इस लोकार्पण समारोह में मनीषा रविंद्र वायकर, विभाग प्रमुख ज्ञानेश्वर सावंत, प्रियांका आंबोलकर, अनिरुद्ध नारकर, बाबू धामापूरकर, मनोज सातारकर, संजय महाडिक, संजय पोटफोडे, राजू पोटफोडे, बंटी सावंत, निशा धुरी, हुसेन करोडी, विलास सालवी, सुरेश नाईक सहित शिवसैनिक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

किआ इंडिया ने मई महीने में अब तक की सबसे ज्यादा 27,586 गाड़ियां बेचीं

मुंबई। देश के प्रमुख मास-प्रीमियम वाहन निमार्ताओं में से एक, किआ इंडिया ने आज शुरूआत से लेकर अब तक मई महीने में अपनी सबसे ज्यादा बिक्री दर्ज करने की घोषणा की। कंपनी ने कुल 27,586 गाड़ियों की थोक बिक्री की है, जो मई 2025 में बेची गई 22,315 गाड़ियों के मुकाबले साल-दर-साल 23.6% की बढ़ोतरी दिखाती है। यह मजबूत प्रदर्शन किआ के सभी वाहनों के लिए ग्राहकों की लगातार बनी हुई मांग और भारतीय बाजार में ब्रांड की लगातार बढ़ती रफ्तार को दिखाता है।

वर्ष 2026 में अपनी मजबूत बढ़त जारी रखते हुए, किआ इंडिया ने इस साल अब तक 139,197 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की है, जबकि 2025 की इसी अवधि में यह आंकड़ा 121,514 यूनिट्स था। यह पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले 14.6% की वृद्धि दिखाता है।

बिक्री में आई यह लगातार तेजी कंपनी के सभी उत्पादों के लिए ग्राहकों की बनी हुई मांग से मिली है, जिसे प्रीमियम, तकनीक-आधारित और भविष्य के लिए तैयार मोबिलिटी सॉल्यूशंस देने पर किआ के फोकस का पूरा समर्थन मिला है।

इस प्रदर्शन के बारे में, किआ इंडिया के सीनियर वाइस-प्रेसिडेंट (सेल्स एंड मार्केटिंग), श्री अतुल सूद ने कहा, ह्नमई महीने में हमारी अब तक की सबसे बेहतरीन बिक्री, सभी सेगमेंट्स में ग्राहकों की बदलती प्राथमिकताओं के साथ हमारे उत्पाद पोर्टफोलियो के मजबूत तालमेल को दिखाती है।

हिंदी प्रचार एवं शोध संस्थान ने किया एड. राजकुमार मिश्रा का सम्मान

भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर की साहित्यिक संस्था हिंदी प्रचार एवं शोध संस्थान द्वारा 31 मई को भायंदर पूर्व के न्यू रविराज कॉम्प्लेक्स स्थित कार्यालय में नवनिर्वाचित परिवहन समिति के सभापति एडवोकेट राजकुमार मिश्रा और मानव निर्माण के संपादक महावीर शर्मा का सम्मान किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए एड मिश्रा ने कहा कि संस्था के लिए जमीन और भवन उपलब्ध कराने की दिशा में समर्पित भावना के साथ लगे हुए हैं और जल्द ही हम सब का यह सपना साकार होगा। इस अवसर पर उपस्थित लोगों में संस्था के संस्थापक अध्यक्ष डॉ सुधाकर मिश्र, डॉ उमेश चंद्र शुक्ल, वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे, भाजपा के जिला महामंत्री बृजेश तिवारी, डॉ कृपाशंकर मिश्र, प्रभाकर मिश्र, रामलीला समिति के अध्यक्ष मनोज मिश्र, अजीत सिंह ,आरपी सिंह, प्रदीप सिंह, अजय सिंह, वीरेंद्र सिंह, अजीत शुक्ला, राकेश प्रताप सिंह, डॉ ओमप्रकाश तिवारी, भोलानाथ तिवारी, प्रवक्ता अनिल पांडे, मारकंडे त्रिपाठी , अजीत कुमार मिश्रा, विनोद मिश्रा, डॉ अशोक पांडे, विमलेश कुमार झा, अरुण दुबे समेत अनेक प्रतिष्ठित लोग उपस्थित रहे।

ठाकुर्ली रेलवे मैदान को बचाने के लिए फिर छिड़ी जंग, सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे के हस्तक्षेप से काम पर दोबारा लगी रोक

डोंबिवली (उत्तरशक्ति)। ठाकुर्ली पश्चिम स्थित ऐतिहासिक रेलवे मैदान को बचाने के लिए एक बार फिर संघर्ष तेज हो गया है। बीते दिन हजारों खिलाड़ी, अभिभावक, नागरिक, खेलप्रेमी, जनप्रतिनिधि और पदाधिकारी एकजुट होकर इस मैदान को बचाने के लिए जोरदार जनआंदोलन में उतरे थे। इस आंदोलन के बाद रेलवे प्रशासन ने मैदान पर चल रहे काम को रोक दिया था, जिससे खिलाड़ियों और स्थानीय नागरिकों में राहत की भावना थी। लेकिन आज फिर रेलवे प्रशासन द्वारा मैदान पर काम शुरू करने की कोशिश से लोगों में भारी नाराजगी फैल गई। इसकी जानकारी मिलते ही नगरसेवक प्रल्हाद म्हात्रे तुरंत मौके पर पहुंचे और संबंधित अधिकारियों को काम तुरंत बंद करने के निर्देश दिए। इसी दौरान पूरे घटनाक्रम की जानकारी सांसद डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदे को दी गई। खिलाड़ियों की भावनाओं और जनता के गुस्से को देखते हुए उन्होंने बिना देरी किए रेलवे के डीआरएम से सीधे संपर्क साधा और मामले को गंभीरता से लेते हुए मैदान पर चल रही सभी गतिविधियों को तत्काल रोकने की मांग की। सांसद डॉ. शिंदे ने स्पष्ट कहा कि, ह्नयह मैदान खिलाड़ियों के लिए है और हमेशा खिलाड़ियों के लिए ही खुला रहना चाहिए। डोंबिवली की खेल परंपरा किसी भी कीमत पर नष्ट नहीं होनी चाहिए। इसके बाद उनके मार्गदर्शन में रेलवे के डीआरएम के साथ तत्काल बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में ठाकुर्ली रेलवे मैदान के ऐतिहासिक, सामाजिक और खेल क्षेत्र में महत्व को विस्तार से रखा गया। यह भी बताया गया कि इस मैदान ने कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को तैयार किया है और भविष्य में भी हजारों खिलाड़ियों के सपने इससे जुड़े हुए हैं। इस सकारात्मक चर्चा के बाद रेलवे प्रशासन ने मैदान पर चल रहे कार्य को एक बार फिर स्थगित करने का निर्णय लिया। हालांकि, जनआंदोलन के बावजूद अगले ही दिन काम शुरू करने की कोशिश से नागरिकों में आक्रोश बना हुआ है। सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे के त्वरित हस्तक्षेप के चलते एक बार फिर रेलवे प्रशासन को पीछे हटना पड़ा और खिलाड़ियों के सपनों पर बुलडोजर चलने से रोक लगा दी गई।

कचरा समस्या को लेकर शिवसेना शिष्टमंडल ने आयुक्त को सौंपा ज्ञापन

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। काशीमीरा स्थित डी.बी.ओ. जोन कॉम्प्लेक्स में नियमित कचरा संकलन नहीं होने से नाराज शिवसेना के शिष्टमंडल ने मीरा-भायंदर महानगरपालिका आयुक्त को ज्ञापन सौंपकर तत्काल कार्रवाई की मांग की है। ज्ञापन में बताया गया है कि वार्ड क्रमांक 14 स्थित डी.बी.ओ. जोन कॉम्प्लेक्स में लगभग 3,400 फ्लैट हैं, जहां 12 से 15 हजार नागरिक निवास करते हैं। इस परिसर से महानगरपालिका को प्रतिवर्ष लगभग 5 करोड़ रुपये का कर राजस्व प्राप्त होता है, इसके बावजूद यहां प्रतिदिन कचरा संकलन नहीं किया जा रहा है। शिवसेना पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि समय पर कचरा नहीं उठाए जाने के कारण परिसर में गंदगी फैल रही है, जिससे रहवासियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है तथा स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का खतरा भी बढ़ गया है। स्वच्छता व्यवस्था के अभाव में परिसर का वातावरण दूषित हो रहा है। ज्ञापन में यह भी कहा गया है कि एक ओर महाराष्ट्र शासन एवं केंद्र सरकार द्वारा मीरा-भायंदर महानगरपालिका को स्वच्छता के क्षेत्र में पुरस्कार और उच्च रैंकिंग प्रदान की गई है, वहीं दूसरी ओर इतने बड़े आवासीय परिसर में नियमित कचरा संकलन नहीं होना नगर निगम की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करता है। शिवसेना ने महानगरपालिका प्रशासन से मांग की है कि डी.बी.ओ. जोन कॉम्प्लेक्स में प्रतिदिन नियमित कचरा संकलन एवं उसके उचित निस्तारण की व्यवस्था तत्काल प्रभाव से सुनिश्चित की जाए। साथ ही संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश देकर स्वच्छता व्यवस्था में सुधार किया जाए। शिवसेना ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई तो जनहित में महानगरपालिका प्रशासन के खिलाफ लोकतांत्रिक आंदोलन शुरू किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

थाईलैंड में जयेश ट्रेनिंग क्लासेस का शानदार प्रदर्शन

89 पदक जीतकर भारत का तिरंगा लहराया

मुंबई (उत्तरशक्ति)। 30 मई 2026 से 1 जून 2026 तक बैंकॉक (थाईलैंड) के फैशन आइलैंड में आयोजित 12वीं तिराक तायक्वांदो अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में जयेश ट्रेनिंग क्लासेस के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत का तिरंगा गर्व से लहराया। दुनिया के विभिन्न देशों से लगभग 2,000 से 2,500 खिलाड़ियों की भागीदारी वाली इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में जयेश ट्रेनिंग क्लासेस के खिलाड़ियों ने कुल 89 पदक जीतकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया।

प्रतियोगिता में पूमसे (व्यक्तिगत, जोड़ी एवं टीम), क्योरुगी, स्पीड किकिंग, स्पीड पंचिंग तथा वर्चुअल रियलिटी तायक्वांदो जैसी विभिन्न स्पधाओं का आयोजन किया गया था। अंतरराष्ट्रीय रेफरी एवं प्रशिक्षक मास्टर जयेश वेल्हाल के मार्गदर्शन में खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विभिन्न वर्गों में स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक हासिल किए। टीम ने कुल 12 स्वर्ण, 28 रजत और 49 कांस्य पदकों सहित 89 पदक अपने नाम किए।

अंडर-8 से अंडर-17 आयु वर्ग के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत का नाम वैश्विक स्तर पर गौरवान्वित किया। जियान धानकी, सैहिश पटेल, अवीव झवेरी, जेय गोराडिया, ईशान हेमदेव, रायन छापरिया, महाराज जोशी, विवान अग्रवाल, मेईरा पटेल, सात्विका मूर्ति, हामशिका गुप्ता, इसा काजी, इब्राहिम काजी, अव्यान मेहता, देवांश पटेल, क्रिश्वी पंड्या और श्रीरक्षा मूर्ति ने उल्लेखनीय प्रदर्शन किया इस सफलता के पीछे मास्टर जयेश वेल्हाल और उनकी प्रशिक्षक टीम की अथक मेहनत, सुनियोजित तैयारी तथा निरंतर मार्गदर्शन का महत्वपूर्ण योगदान रहा। पिछले कई महीनों से खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा था, जिसका परिणाम इस ऐतिहासिक उपलब्धि के रूप में सामने आया। प्रतियोगिता में मुंबई जिला तायक्वांदो संघ के सचिव विजय कांबले की विशेष उपस्थिति रही। उन्होंने मास्टर जयेश वेल्हाल, प्रशिक्षकों निशांत शिंदे, यश दलवी, कृपेश रणक्षेत्रे, स्वप्निल शिंदे, उमेश, अमित यादव तथा सभी खिलाड़ियों और पूरी टीम को हार्दिक बधाई दी। भारत और मुंबई जिले का नाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोशन करने के लिए उन्होंने टीम की सराहना करते हुए भविष्य की राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस सहित राज्य के वरिष्ठ नेता 8 जून को श्री पिंपळेश्वर महादेव मंदिर में दर्शन करेंगे

डोंबिवली (उत्तरशक्ति)। डोंबिवली स्थित श्री पिंपळेश्वर महादेव मंदिर के लिए महायुति सरकार द्वारा 4 एकड़ 25 गुंठा भूमि मंजूर कर मंदिर भूमि से जुड़े लंबे समय से लंबित मुद्दे का समाधान किए जाने के उपलक्ष्य में पिंपळेश्वर महादेव के भक्त तथा भाजपा महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण ने सोमवार तड़के अपनी धर्मपत्नी के साथ मंदिर में संकल्प पूर्ति पूजन किया। पिंपळेश्वर महादेव एक जागृत देवस्थान है और महायुति सरकार द्वारा मंदिर भूमि को देवस्थान के अधिकार में सौंपे जाने पर उन्होंने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का विशेष आभार व्यक्त किया। इस ऐतिहासिक निर्णय के उपलक्ष्य में सोमवार, 8 जून 2026 को श्री पिंपळेश्वर महादेव मंदिर परिसर में भव्य शिवोत्सव, भजन-कीर्तन महोत्सव तथा कृतज्ञता समारोह का आयोजन किया गया है। इस कार्यक्रम में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री सुनेत्राताई पवार, राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुळे, उद्योग मंत्री उदय सामंत सहित राज्य के अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहेंगे और श्री पिंपळेश्वर महादेव के दर्शन करेंगे, ऐसी जानकारी रविंद्र चव्हाण ने दी। इस अवसर पर विधायक रविंद्र चव्हाण ने कहा कि महायुति सरकार के सहयोग से विभिन्न विभागों से संबंधित आवश्यक निर्णयों को लागू किए जाने के कारण मंदिर भूमि से जुड़े दो दशक पुराने संघर्ष को आखिरकार सफलता मिली है। यह क्षण हजारों शिवभक्तों, ग्रामवासियों और डोंबिवली के नागरिकों के लिए अत्यंत खुशी और गौरव का विषय है।

डॉ. निवेदिता श्रेयंस को पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होल्कर स्मृति एवं सहज प्रेरणा सम्मान 2026 से सम्मानित किया गया

मुंबई (उत्तरशक्ति)। हार्टफुलनेस संस्थान, हैदराबाद की युवा कार्यक्रम निदेशक, प्रख्यात शिक्षाविद्, युवा मार्गदर्शक, लेखिका, हार्टफुलनेस प्रशिक्षक एवं मूल्य-आधारित नेतृत्व की समर्थक डॉ. निवेदिता श्रेयंस को आध्यात्मिक नेतृत्व एवं युवा मूल्य विकास के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रतिष्ठित पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होल्कर स्मृति एवं सहज प्रेरणा सम्मान 2026 से सम्मानित किया गया।

यह सम्मान सहज कलात्मक फाउंडेशन द्वारा नेशनल स्टॉक एक्सचेंज, मुंबई के सहयोग से आयोजित एक गरिमामय समारोह में प्रदान किया गया। इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों के उन प्रेरणादायी व्यक्तित्वों को सम्मानित किया गया जिन्होंने नेतृत्व, सामाजिक परिवर्तन, राष्ट्र निर्माण तथा मानवीय मूल्यों के विकास में उल्लेखनीय योगदान दिया है। लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की अमर विरासत से प्रेरित यह सम्मान उन व्यक्तियों को प्रदान किया जाता है जो सेवा, करुणा, नैतिक नेतृत्व और सामाजिक उत्तरदायित्व के मूल्यों को अपने जीवन में आत्मसात करते हैं। डॉ. निवेदिता श्रेयंस को युवाओं को सशक्त बनाने, भावनात्मक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने, मूल्य-आधारित नेतृत्व को विकसित करने तथा शिक्षा एवं आध्यात्मिकता के माध्यम से सकारात्मक सामाजिक प्रभाव उत्पन्न करने के उनके सतत प्रयासों के लिए सम्मानित किया गया।

सम्मान प्राप्त करने पर अपनी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए डॉ. निवेदिता श्रेयंस ने कहा,पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होल्कर स्मृति एवं सहज प्रेरणा सम्मान 2026 प्राप्त करना मेरे लिए अत्यंत गौरव और विनम्रता का विषय है। यह सम्मान लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर द्वारा स्थापित सेवा, करुणा, नेतृत्व और सामाजिक उत्तरदायित्व जैसे शाश्वत मूल्यों की याद दिलाता है।

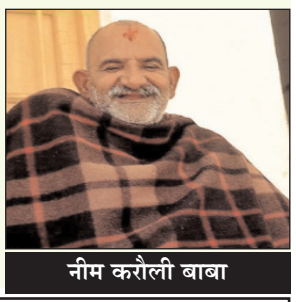

नीम करोली बाबा

विरार पूर्व के बरफपाड़ा जंगल में अवैध हाथभट्टी पर पुलिस की कार्रवाई, आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। वसई-विरार पुलिस की एंटी-नारकोटिक्स सेल-2 ने विरार पूर्व के बरफपाड़ा क्षेत्र में कब्रिस्तान के पीछे स्थित जंगल में चल रही अवैध देसी शराब की हाथभट्टी पर कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में शराब बनाने का रसायन एवं सामग्री नष्ट की है। इस मामले में एक महिला आरोपी के खिलाफ विरार पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। गश्त के दौरान एंटी-नारकोटिक्स सेल-2 की टीम ने विरार पुलिस स्टेशन की सीमा अंतर्गत बरफपाड़ा, विरार पूर्व स्थित कब्रिस्तान के पीछे जंगल क्षेत्र में झाड़ियों और पेड़ों की तलाशी ली। जांच के दौरान पता चला कि बरफपाड़ा निवासी श्रीमती कुंटा चिपट ने ईंटों का चूल्हा बनाकर लोहे के ड्रम में लगभग 2,000 लीटर देसी शराब बनाने का घोल (रसायन) तैयार कर रखा था। साथ ही एल्युमिनियम के बर्तनों एवं अन्य उपकरणों की सहायता से अवैध रूप से देसी शराब बनाई जा रही थी। पुलिस को मौके से लगभग 90 लीटर तैयार देसी शराब भी बरामद हुई, जिसे एक डिब्बे में भरकर रखा गया था। पुलिस ने मौके पर ही हाथभट्टी को नष्ट कर दिया तथा शराब बनाने में उपयोग किए जा रहे उपकरण और रसायन जब्त कर नष्ट कर दिए। इस कार्रवाई में कुल 1 लाख 14 हजार रुपये मूल्य के रसायन एवं शराब निर्माण सामग्री को नष्ट किया गया। मामले में विरार पुलिस स्टेशन में संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है। यह कार्रवाई एंटी-नारकोटिक्स सेल-2 के प्रभारी पुलिस निरीक्षक ऋषिकेश पावल, पुलिस उपनिरीक्षक प्रसाद शेनोलकर, पुलिस कर्मी उमेश गवई, आसिफ मुल्ला, अमित चव्हाण, सुप्रिया तिवाले, अंगद मुले एवं किरण रसाल की टीम द्वारा की गई। उक्त कार्रवाई पुलिस आयुक्त निकेत कौशिक, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त दत्तात्रेय शिंदे, पुलिस उपायुक्त (अपराध) संदीप डोइफोडे तथा सहायक पुलिस आयुक्त (प्रकटीकरण) मदन बल्लाल के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक संपन्न की गई।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

रसोई गैस सिलेण्डर की कालाबाजारी के खिलाफ कांग्रेसियों ने किया प्रदर्शन

गैस एजेंसियों पर सिलेंडरों की कालाबाजारी चरम परः इरशाद खान

मछलीशहर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र में लगातार हो रही रसोई गैस सिलेंडर की कालाबाजारी और गैस एजेंसी पर प्रतिदिन लगने वाली उपभोक्ताओं की लम्बी कतारों से आक्रोशित कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस पार्टी के जिला सचिव इरशाद खान के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं ने उपजिलाधिकारी कार्यालय का घेराव कर जमकर नारेबाजी की तथा मांगों से संबंधित ज्ञापन जिलाधिकारी को संबोधित मांग पत्र उपजिलाधिकारी को सौंपा। धरना प्रदर्शन को संबोधित करते हुए कांग्रेस पार्टी के जिला सचिव इरशाद खान ने कहा कि शंकर गैस एजेंसी मछलीशहर पर दलालों और बिचौलियों का कब्जा हो गया है, उपभोक्ताओं को समय पर गैस सिलेंडर न मिल पाने के कारण बहुत से लोगों के घरों में चूल्हे नहीं जल पा रहे हैं। इरशाद खान ने आगे कहा कि एक तरफ पूरा देश सरकार की लूटनीति और महंगाई की मार झेल

रहा है तो वसी दुसरी तरफ गैस एजेंसी मछलीशहर पर निर्धारित मूल्य से अधिक कीमतों में गैस सिलेंडर दिया जा रहा है। धरना प्रदर्शन की अध्यक्षता करते हुए ब्लाक कांग्रेस कमेटी मछलीशहर के अध्यक्ष मुहम्मद सैफ ने कहा कि इस गैस एजेंसी पर प्रतिदिन उपभोक्ताओं की लम्बी लाइनें लगती है, लोग अपना काम धंधा, रोजी रोजगार छोड़कर रसोई गैस लेने के लिए लाइन में खडा होना पड़ता है, गैस न मिलने पर उपभोक्ताओं को मायूस होकर घर लौटने के लिए मजबूर होना पड़ता है। नगर कांग्रेस अध्यक्ष आरिफ सलमानी ने कहा कि एजेंसी संचालक एवं कर्मचारी उपभोक्ताओं से गलत तरीके से व्यवहार करते हैं, दलालों के माध्यम से गैस सिलेंडर की कालाबाजारी चरम पर है। इस मौके पर जिला महासचिव व प्रभारी मछलीशहर अरुण शुक्ला, मल्हनी विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी डॉ राकेश मिश्रा, महिला कॉंग्रेस जिलाध्यक्ष रेखा सिंह, जिला सचिव जब्बार अली सलमानी, लहरीनेता, रईस खान, मेराज अली, किरन, शीला, सन्तोषी सिंह, संजय कुमार सोनी आदि मौजूद रहे।

तंबाकू एक धीमा जहर, हमारे शरीर को भीतर से देता है खोखला: प्रो. कमल

मेडिकल कालेज जौनपुर में मनाया गया विश्व तंबाकू निषेध दिवस

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, जौनपुर के प्रधानाचार्य प्रो0 (डा0) आर0 बी0 कमल एवं मुख्य चिकित्सा अधीक्षक प्रो0 (डा0) ए0ए0 जाफरी के दिशा निर्देश में तम्बाकू निषेध, नोडल अधिकारी डा0 अनिल कुमार एवं कम्युनिटी मेडिसिन विभाग के विभागाध्यक्ष डा0 अनुज सिंह द्वारा विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ प्रधानाचार्य प्रो0 आर0 बी0 कमल के उद्बोधन से हुआ। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य तंबाकू के उपयोग के खतरों के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना। इस वर्ष विश्व तंबाकू निषेध दिवस का थीम ह्यह्यआकर्षण का पदार्फाश-तम्बाकू एवं निकोटीन की लत का मुकाबलाह्लह्ल है। तंबाकू एक धीमा जहर है। चाहे वह सिगरेट, बीड़ी, गुटखा या खैनी के रूप में हो- यह हमारे शरीर को भीतर से खोखलाकर देता है। तंबाकू सेवन से कैंसर, हृदय रोग, फेफड़ों की बीमारी जैसी गंभीर बीमारियाँ होती हैं। सबसे दुखद बात यह है कि इसका प्रभाव केवल उपभोक्ता पर नहीं बल्कि उसके आस पास रहने वालो पर भी पड़ता है। इस आदत से बाहर आने के हेतु वैकल्पिक एवं स्वास्थ्यवर्धक उपाय अपनाने की सलाह दी गई। तंबाकू सेवन की इच्छा होने पर इलायची अथवा अन्य अपेक्षाकृत स्वास्थ्यकर विकल्पों को अपनाकर इस आदत को कम करने का प्रयास किया जा सकता है।

मुख्य चिकित्सा अधीक्षक प्रो0 डा0 ए0ए0 जाफरी द्वारा बताया गया कि तंबाकू का संवन केवल फेफड़ों या हृदय को ही नहीं, बल्कि शरीर के बाहरी अंगों पर भी नकारात्मक प्रभाव डालता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि ह्यह्यहथेलियों या उंगलियों की त्वचा का काला पड़ना, रूखापन या झुर्रियाँ कहा जाता है, एक सामान्य लक्षण है जो लम्बे समय तक तंबाकू के सेवन से विकसित होता है। यह त्वचा की रक्त संचार प्रणाली पर असर डालता है और आंगों की कार्यक्षमता को भी प्रभावित कर सकता है।

डेंटल विभाग के विभागाध्यक्ष डा0 ले0 सी0बी0एस0 कर्नल पटेल ने बताया कि तंबाकू सेवन ओरल कैंसर सहित अनेक गंभीर बीमारियों का प्रमुख कारण है। लंबे समय तक तंबाकू सेवन करने से मुंह में लगातार छाले होना, मुंह का कम खुलना, सफेद या लाल धब्बे दिखाई देना, निगलने में कठिनाई तथा मुंह के अंदर गांठ या घाव जैसे लक्षण

विकसित हो सकते हैं, जो मुख कैंसर के प्रारंभिक संकेत हो सकते हैं। तंबाकू सेवन से दूरी बनाकर ओरल कैंसर सहित अनेक गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से बचाव किया जा सकता है।

टीबी एण्ड चेस्ट विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अचल सिंह ने बताया गया कि तंबाकू किसी भी रूप में स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है तथा फेफड़ों के कैंसर का एक प्रमुख कारण तंबाकू सेवन है। उन्होंने बताया कि तंबाकू से होने वाली बीमारियां धीरे-धीरे विकसित होती हैं, जिसके कारण अधिकांश मरीज गंभीर अवस्था में चिकित्सालय पहुंचते हैं तथा कई मामलों में बीमारी तृतीय अथवा चतुर्थ चरण तक पहुंच चुकी होती है।

उन्होंने यह भी अवगत कराया कि वर्तमान समय में बढ़ता प्रदूषण भी श्वसन संबंधी रोगों एवं कैंसर के जोखिम को बढ़ाने वाले महत्वपूर्ण कारकों में शामिल है। साथ ही उन्होंने सीओपीडी सहित अन्य गंभीर श्वसन रोगों के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि तंबाकू सेवन एवं प्रदूषण से बचाव कर इन बीमारियों के जोखिम को कम किया जा सकता है।

कार्यक्रम के अगले क्रम में कम्युनिटी मेडिसिन विभाग के विभागाध्यक्ष डा0 अनुज सिंह द्वार प्रोजेक्टर पर तम्बाकू के सेवन से हो रहे दुष्प्रभावों को दिखाकर जन-जागरूक किया गया कि जीवन के लिए यह कितना खतरनाक है। फिर भी लोग इसका सेवन करने से नहीं डरते है। चिकित्सको ने उपस्थित मरीजो एवं तीमारदारो को बताया कि यदि किसी व्यक्ति को तम्बाकू से मुक्ति चाहिए तो वे मेडिकल कालेज में कम्युनिटी मेडिसिन एवं साइकेट्री विभाग में आकर सलाह लेकर उपचार करा सकते है।

इस अवसर पर उप प्रधानाचार्य प्रो0 आशीष यादव, चीफ प्राक्टर प्रो0 रूचिरा सेठी एवं चिकित्सा शिक्षक प्रो0 उमेश कुमार सरोज, प्रो0 भारती यादव, डा0 विनोद कुमार, डा0 अचल सिंह, डा0 विनोद वर्मा, डा0 जितेन्द्र कुमार, डा0 चन्द्रभान, डा0 मुदित चौहान, डा0 नवीन सिंह, डा0 अरविन्द यादव, डा0 अवधेश गुप्ता, डा0 प्रतिभा सिंह , डा0 प्रियंका सिंह, डा0 अर्चना चौधरी, डा0 मिथिलेश, डा0 अथर अंसारी, डा0 संदीप सिंह, तथा कर्मचारी, मरीज व उनके तीमारदार उपस्थित रहे।

मेधावी छात्र सम्मान समारोह में प्रतिभाओं का हुआ सम्मान, विद्यार्थियों को सफलता और नेतृत्व का दिया गया मंत्र

हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट परीक्षा में जौनपुर के मेधावी विद्यार्थियों ने किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लखनऊ से आयोजित मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा प्रदेश स्तर पर मेधावी विद्यार्थी सम्मान समारोह कार्यक्रम का सजीव प्रसारण कलेक्ट्रेट सभागार में विधायक जफराबाद जगदीश नारायण राय, एमएलसी ब्रजेश सिंह ह्लप्रिंसुह्ल, जिलाध्यक्ष मछलीशहर अजीत प्रजापति, जिलाध्यक्ष जौनपुर डा0 अजय सिंह, जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन, मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया सहित सम्मानित जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, शिक्षक, अभिभावक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं की उपस्थिति में देखा गया तथा मुख्यमंत्री के उद्बोधन को सुना गया। इसके उपरांत सभागार में आयोजित कार्यक्रम में जनपद स्तरीय मेधावी छात्र सम्मान समारोह का आयोजन कर हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट परीक्षा-2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर उत्तर प्रदेश माध्यमिक संस्कृत शिक्षा परिषद के वर्ष 2026 की हाई स्कूल परीक्षा में राम प्रसाद संस्कृत उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गोपालपुर सिकरारा के छात्र विजय यादव के द्वारा 93 प्रतिशत अंक प्राप्त कर राज्य स्तर पर चतुर्थ स्थान प्राप्त करने पर लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री द्वारा प्रशस्ति-पत्र, चेक व मेडल देकर सम्मानित किया गया। यह पल जनपद के लिए गौरव का क्षण रहा।

हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट परीक्षा-2026 की जनपद स्तरीय मेधा सूची में स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया।

हाई स्कूल परीक्षा में जनपद में पंजीकृत अभ्यर्थियों 77043, परीक्षा में सम्मिलित 73536 जिसमें उत्तीर्ण 66234, उत्तीण प्रतिशत 90.07 रहा। हाईस्कूल (कक्षा-10) की जनपद स्तरीय मेधा सूची में जनता बालिका इंटर कॉलेज, बनगांवपट्टी, बदलापुर के छात्र राजशेखर सिंह ने 95.50 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं मथुरा प्रसाद उ०मा०वि०, सुरेरी के उत्कर्ष पटेल ने 95.17 प्रतिशत अंक प्राप्त कर द्वितीय तथा अनार कली यादव इंटर कॉलेज, बटाउबवीर, ठाकुरगंज के आदित्य यादव ने 95.00 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान हासिल किया। इसके अतिरिक्त श्री शिव नारायण इंटर कॉलेज, गोपालापुर की वर्षा पटेल ने 94.67 प्रतिशत, श्री राम निरंजन इंटर कॉलेज, कचगांव की अनन्या सिंह ने 94.50 प्रतिशत, हरिहर सिंह पब्लिक स्कूल के हर्षित कुमार यादव ने 94.50 प्रतिशत, जय हिन्द इंटर कॉलेज, तेजीबाजार की साक्षी सिंह ने 94.33 प्रतिशत, राजाराम मेमोरियल इंटर कॉलेज, नौपेड़वा बाजार के कार्तिक गुप्ता ने

94.33 प्रतिशत, श्री शिव गोविंद इंटर कॉलेज, बरहटा, मछलीशहर की आख्या यादव ने 94.17 प्रतिशत तथा राजाराम मेमोरियल इंटर कॉलेज, नौपेड़वा बाजार की अनुष्का यादव ने 94.17 प्रतिशत अंक प्राप्त कर जनपद की मेधा सूची में स्थान बनाया।

इसी प्रकार इंटरमीडिएट में जनपद में पंजीकृत अभ्यर्थियों 76991, परीक्षा में सम्मिलित 73736 जिसमें उत्तीर्ण 54937, उत्तीण प्रतिशत 74.47 रहा। इंटरमीडिएट (कक्षा-12) की जनपद स्तरीय मेधा सूची में राम आधार यादव इंटर कॉलेज, रसूलपुर के छात्र रजनीश श्रीवास्तव ने 91.40 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। ग्राम विकास इंटर कॉलेज खुटहन के हिमांगिनी यादव ने 90.40 प्रतिशत अंक प्राप्त कर द्वितीय स्थान हासिल किया, जबकि मो० हसन इंटर कॉलेज के अनुप पाल एवं नागरिक इंटर कॉलेज, जंघई की अलका मिश्रा ने 90.20 प्रतिशत अंक प्राप्त कर संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त सरस्वती इंटर कॉलेज, उचगांव के साकेत तिवारी एवं टीडी इंटर कॉलेज की अनुराधा विश्वकर्मा ने 89.80 प्रतिशत, श्री गणेश राय इंटर कॉलेज, डोभी की प्रज्ञा सिंह ने 89.60 प्रतिशत, राम आधार सिंह इंटर कॉलेज, रामपुर दवन सिंह करंजाकला की महक सिंह ने 89.40 प्रतिशत, राम दुलार इंटर कॉलेज, अहमदपुर के शिवम यादव ने 89.20 प्रतिशत तथा अशोक इंटर कॉलेज की अंकिता मौर्या, फौजदार इंटर कॉलेज, मछलीशहर के प्रांजल यादव, नेहरू बालोद्यान इंटर कॉलेज के अभिनव यादव एवं हरिहर सिंह पब्लिक स्कूल की शीतल प्रजापति ने 89.00 प्रतिशत अंक प्राप्त कर जनपद की मेधा सूची में अपना स्थान सुनिश्चित किया। समस्त मेधावी छात्रों को विधायक , एमएलसी, जिलाध्यक्ष, जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी द्वारा चेक, प्रशस्ति-पत्र एवं मेडल पहनाकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में विधायक जफराबाद ने कहा कि मेधावी छात्र-छात्राओं को उनके सफल परिश्रम की सराहना की तथा उन्हें और उनके परिजनों को शुभकामनाएं देते हुए छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना की।

एमएलसी ने अपने सम्बोधन में कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार शिक्षा के क्षेत्र में व्यापक सुधार एवं आधुनिकीकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। इसका सकारात्मक परिणाम यह है कि प्रदेश के विद्यार्थी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की सफलता में माता-पिता, शिक्षकों एवं विद्यालय परिवार का महत्वपूर्ण योगदान होता है।

उन्होंने कहा कि जनपद के मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए उन्हें निरंतर परिश्रम, अनुशासन एवं उत्कृष्टता की राह पर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया। वक्ताओं ने कहा कि आज सम्मानित हो रहे छात्र-छात्राएं जनपद, प्रदेश एवं राष्ट्र का गौरव हैं तथा उनकी उपलब्धियां अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत हैं।

जिलाध्यक्ष जौनपुर एवं मछलीशहर ने विशेष रुप से ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों की यह उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा गया कि सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने अपनी मेहनत एवं प्रतिभा के बल पर उल्लेखनीय सफलता अर्जित की है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यही छात्र भविष्य में चिकित्सा, इंजीनियरिंग, प्रशासनिक सेवाओं एवं अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सफलता प्राप्त कर जनपद का नाम रोशन करेंगे।

जिलाधिकारी श्री सैमुअल पाल एन. ने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि वर्तमान प्रतिस्पर्धात्मक युग में केवल शैक्षणिक उपलब्धियां ही पर्याप्त नहीं हैं, बल्कि व्यक्तित्व विकास भी उतना ही आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रभावी संवाद कौशल, निर्णय लेने की क्षमता तथा नेतृत्व क्षमता विकसित करने की सलाह देते हुए कहा कि यही गुण उन्हें भविष्य की चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना करने में सक्षम बनाएंगे। उन्होंने विद्यार्थियों से हिंदी एवं अंग्रेजी दोनों भाषाओं में अभिव्यक्ति क्षमता बढ़ाने, नियमित अध्ययन करने तथा नेतृत्व के अवसरों का लाभ उठाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के अंत में सभी मेधावी विद्यार्थियों, उनके अभिभावकों एवं शिक्षकों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। साथ ही आशा व्यक्त की गई कि ये छात्र-छात्राएं अपनी प्रतिभा, ज्ञान और परिश्रम के बल पर जनपद जौनपुर, उत्तर प्रदेश तथा देश का नाम राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित करेंगे।

19.68 करोड़ की लागत के वरुणा सेतु निर्माण कार्य का किया भूमि पूजन एवं शिलान्यास

वर्षों से भतसार गांव के पास वरुणा नदी पर पुल बनाने की मांग को रोहनिया विधायक ने किया पूरा, दो साल में पुल बनकर होगा जनता के हवाले

क्षेत्रीय जनता ने रोहनिया विधायक का आभार व्यक्त कर किया भव्य स्वागत

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद सेवापुरी रोहनिया विधानसभा क्षेत्र के सर्वांगीण एवं चौमुखी विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए रोहनिया विधायक डॉ. सुनील पटेल ने सोमवार को लहिया भतसार गांव के महादेव घाट पर 19 करोड़ 68 लाख 78 हजार रुपये की लागत से बनने वाले वरुणा सेतु परियोजना का विधिवत भूमिपूजन एवं शिलान्यास किया।रोहनिया विधायक डॉ. सुनील पटेल ने कहा कि यह पुल क्षेत्र के विकास में मील का पत्थर साबित होगा। इसके निर्माण से ग्राम लहिया, भत्सार, खेवली, पंपापुर, बहरा, कपड़फोरवा सहित दर्जनों गांवों के लोगों को आवागमन में बड़ी सुविधा मिलेगी साथ ही शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यापार एवं कृषि गतिविधियों को भी नई गति प्राप्त होगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार के सहयोग और उनके सतत प्रयासों के फलस्वरूप यह महत्वपूर्ण परियोजना क्षेत्र की जनता को

समर्पित की जा रही है। पुल के निर्माण से क्षेत्रवासियों का समय और दूरी दोनों कम होंगे तथा ग्रामीण क्षेत्रों की कनेक्टिविटी मजबूत होगी।यह पुल मार्च 2028 में तैयार हो जाएगा।उन्होंने सेतु निगम के अधिकारियों से अच्छी गुणवत्ता के साथ-साथ ससमय निर्माण को पूरा करने हेतु निर्देशित किया। कार्यक्रम के दौरान सेतु निगम के अधिकारी तथा क्षेत्रीय लोगों ने इस सराहनीय कार्य को लेकर रोहनिया विधायक को माला पहनाकर भव्य स्वागत किया।कार्यक्रम में प्रमुख रूप से राष्ट्रीय सचिव राकेश यादव, क्षेत्रीय अध्यक्ष डॉ. नरेंद्र पटेल, डा.उमेश पटेल,आलोक पाण्डेय, अमित पटेल, विधानसभा अध्यक्ष बसंत लाल पटेल, राजकुमार वर्मा, श्यामबली पटेल,विनोद पटेल,नागेंद्र पटेल, संतोष प्रधान, रीना, श्रीदेवी, आनंद, जेपी पटेल,राम सकल मास्टर, ओम प्रकाश सिंह सहित पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता गण उपस्थित रहे।

मलेरिया जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। एंटी मलेरिया माह जून 2026 के प्रथम दिवस पर 01 जून 2026 को जिला मलेरिया अधिकारी सुनील कुमार यादव के निर्देशन में जिला मलेरिया फाइलेरिया टीम से इंद्रजीत सिंह, सुनील तिवारी, शिवशंकर वर्मा द्वारा नगरीय क्षेत्र जौनपुर के नखास मोहल्ले एवं जहांगीराबाद में मलेरिया जागरूकता कार्यक्रम जैसे पोस्टर पेस्टिंग, पैम्फलेट वितरण, एंटीलार्वल स्प्रे, ब्रीडिंग सोर्स रिडक्शन, स्वास्थ्य शिक्षा आदि कार्य आयोजित किया गया।

इसी के अगली कड़ी में राकेश सिंह के सहयोग से प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ0 आशीष कुमार सिंह एवं अर्बन कॉर्डिनेटर प्रवीण पाठक के नेतृत्व में अर्बन पी एच सी मातापुर में आशा संवेदीकरण बैठक भी आयोजित की गई जिसमें मलेरिया के कारण, लक्षण, बचाव, जागरूकता आदि के बारे में जानकारी दी गई।

मलेरिया मादा एनाफिलीज मच्छर के काटने से फैलने वाला एक संक्रामक रोग है इसका परजीवी प्लाज्मोडियम नामक एक सूक्ष्म जीव होता है, यदि मादा एनाफिलीज मच्छर किसी मलेरिया संक्रमित व्यक्ति को काटकर किसी स्वस्थ व्यक्ति को कटेगा तो उन्हें भी संक्रमण फैला सकता है।

जल जमाव होगा जहां, मच्छर पैदा होंगे वहां। मलेरिया फैलाने वाला मच्छर रुके हुए पानी में प्रजनन

करता है और नम, छाया दार, अंधेरे, गंदे स्थानों पर रहता है। मलेरिया में ठंडक, कंपकपी के साथ तेज बुखार आता है। जांच इलाज में देरी पर उल्टी, मितली, खून की कमी, भूख में कमी, तिल्ली का बढ़ना आदि लक्षण आते हैं।

मलेरिया के जांच, उपचार की निःशुल्क व्यवस्था जनपद जौनपुर के समस्त सामुदायिक, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, जिला चिकित्सालय, मेडिकल कॉलेज, आयुष्मान आरोग्य मंदिर हर जगह उपलब्ध है। अतः मलेरिया के लक्षण दिखाई दें तो घबराएं नहीं बरन तत्काल अपने नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र जाकर अपना निःशुल्क जांच उपचार कराएं और मलेरिया से मुक्ति पाएं।

हर रविवार, मच्छर पर वार– लार्वा पर प्रहार, मलेरिया का संहार।

मलेरिया से बचाव के लिए अपने घरों के अंदर, बाहर, आस पास साफ सफाई रखें, झाड़ियां साफ करें,जल जमाव न होने दें, जलपात्रों में भी पानी न एकत्र होने दें,कूलर ,गमला, फ्रिज की ट्रे का पानी भी सप्ताह में बदल दें। रुके हुए पानी में जला हुआ मोबिल ऑयल डालें, नालियों में कूड़ा कचरा न डालें, उन्हें नियमित साफ रखें। सोते समय मच्छरदानी लगाएं, खुली बदन न सोएं, पूरी आस्तीन के कपड़े पहने, बुखार की स्थिति में हल्का, तरल खाद्य सामग्रियों का सेवन करें, तला भुना गरिष्ठ भोजन न करें, शरीर की इम्युनिटी बढ़ाने वाले खाद्य सामग्री ग्रहण करें।

बरंगी (बड़ी तकिया) का मुख्य मार्ग बदहाल, जलभराव से ग्रामीण परेशान

डॉ.इम्तियाज अहमद

मानीकलां,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विकासखंड क्षेत्र की ग्राम सभा बरंगी (बड़ी तकिया) का मुख्य प्रवेश मार्ग

इन दिनों बदहाली का शिकार है। सड़क पर जलभराव और कीचड़ के कारण ग्रामीणों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। हालात इतने खराब हैं कि लोगों को गांव में प्रवेश करने और बाहर निकलने के लिए पानी से होकर गुजरना पड़ रहा है। ग्रामीणों के अनुसार मार्ग की स्थिति लंबे समय से खराब है, लेकिन अब तक इसकी मरम्मत नहीं कराई गई। सड़क पर जमा पानी और कीचड़ के कारण पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। सबसे अधिक परेशानी स्कूली बच्चों, बुजुर्गों और मरीजों को उठानी पड़ रही है। बरसात के दिनों में स्थिति और भी गंभीर हो जाती है। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार संबंधित अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों का ध्यान इस समस्या की ओर आकर्षित कराया गया, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इससे लोगों में नाराजगी बढ़ रही है। गांववासियों ने प्रशासन से मांग की है कि मुख्य मार्ग की तत्काल मरम्मत कराई जाए और जलनिकासी की समुचित व्यवस्था की जाए, ताकि ग्रामीणों को आवागमन में होने वाली परेशानियों से राहत मिल सके।

स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो वे अपनी मांगों को लेकर आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे।

महिला की करंट लगने से मौत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। महाराजगंज थाना क्षेत्र के सवंसा गांव में सोमवार को एक दर्दनाक हादसे में पालतू कुत्ते को बचाने के प्रयास में महिला की करंट लगने से मौत हो गई। हादसे में कुत्ते की भी जान चली गई। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया और पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई।

पूर्व प्रधानाध्यापक इंद्रपाल सिंह के घर के बाहर लोहे की पाइप से उनका पालतू कुत्ता बंधा हुआ था। घर के बाहर लगे बिजली के खंभे से आया केबल टिनशेड के पास से कट गया था। कटे हुए केबल के संपर्क में आने से टिनशेड और लोहे की पाइप में करंट उतर आया। इसी दौरान पाइप से बंधा कुत्ता करंट की चपेट में आकर तड़पने लगा। उसे बचाने के लिए परिवार की बड़ी 55 वर्षीया बहू रेखा सिंह पत्नी स्वर्गीय रमाकांत सिंह, दौड़कर मौके पर पहुंचीं। जैसे ही उन्होंने कुत्ते को छुड़ाने का प्रयास किया, वह स्वयं भी करंट की चपेट में आ गईं। महिला की चीख-पुकार सुनकर परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंचे। लोगों ने तत्काल बिजली आपूर्ति बंद कराने का प्रयास किया। खंभे से जुड़े केबल को कटवाने के बाद लोग महिला तक पहुंच सके, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। रेखा सिंह और पालतू कुत्ते की मौके पर ही मौत हो गई। लवकुश सिंह ने बताया कि घटना के समय रेखा सिंह के बच्चे घर पर मौजूद नहीं थे। घर में केवल उनके वृद्ध सास-ससुर थे।

नीम का पेड़ गिरने से युवक की मौत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मड़ियाहूं कोतवाली क्षेत्र के बारीगांव नेवादा गांव में रविवार रात एक युवक की नीम का पेड़ गिरने से मौत हो गई। युवक शादी समारोह से लौट रहा था, तभी वह पेड़ की चपेट में आ गया। गांव निवासी विनय पटेल ने अपना एक नीम का पेड़ बेचा था। एक व्यापारी के मजदूर उस पेड़ को काट रहे थे। इसी दौरान गांव के निवासी अरविंद पटेल किसी शादी समारोह में दैजा देकर पैदल अपने घर लौट रहे थे। जब अरविंद उस स्थान के पास पहुंचे जहां पेड़ की कटाई चल रही थी, तभी विशाल नीम का पेड़ अचानक उन पर गिर पड़ा। पेड़ की चपेट में आने से अरविंद गंभीर रूप से घायल हो गए और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों ने तत्काल परिजनों और पुलिस को सूचना दी। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिवार में शोक छा गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। सूचना पर पहुंची मड़ियाहूं पुलिस ने शव को कब्जे में लिया। मृतक अरविंद पटेल के परिवार में एक बेटी नेहा और दो बेटे नितिन व लकी हैं, जिनका अभी विवाह नहीं हुआ है। अरविंद मुंबई शहर में रहकर मजदूरी करता था और अपने परिवार का भरण-पोषण करता था। वह लगभग 15 दिन पहले ही अपने गांव आया हुआ था।

'खेत बचाओ अभियान' के तहत किसानों को किया गया जागरूक

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के राजातालाब आराजीलाइन के भवानीपुर गांव में भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान ने 'खेत बचाओ अभियान' के तहत किसान जागरूकता कार्यक्रम किया। कार्यक्रम में वैज्ञानिकों ने मृदा स्वास्थ्य संरक्षण, जैव-उर्वरकों के उपयोग और सतत कृषि तकनीकों की जानकारी दी। डॉ. गोविंद पाल ने मृदा की उर्वरा शक्ति बनाए रखने पर बल दिया। डॉ. नीरज सिंह ने मृदा के लाभकारी सूक्ष्मजीव और आईआईवीआर द्वारा विकसित उत्पादों के प्रयोग से रासायनिक उर्वरक की बचत बताई। डॉ. मोहम्मद शाहिद ने संतुलित पोषण के लिए मृदा परीक्षण और नमूना लेने की सही विधि दिखाई। हरी खाद के फायदे भी समझाए गए।किसानों को बैक्टीरियल एनपीके जैव-उर्वरक 'काशी एजोबीसी-पी', 'काशी एजोबीसी-एल' और ट्राइकोडर्मा 'काशी बायोडर्मा' वितरित किए गए। संतुलित पोषक तत्व, जैव उर्वरक और मृदा नमूना विधि पर पत्रक भी दिए गए।संवाद सत्र में किसानों ने मृदा उर्वरता और जैव उर्वरक से जुड़ी समस्याओं पर वैज्ञानिकों से सवाल पूछे। कार्यक्रम में 58 किसान शामिल हुए, जिनमें 34 महिलाएं थीं। किसानों ने खेती में उन्नत तकनीक अपनाने का संकल्प लिया।

एनबीबीएल के भारत कनेक्ट पर ई-चालान हस्तांतरण 10 लाख के पार

पटना(उत्तरशक्ति)। नेशनल पेमेंट्स कारपोरेशन ऑफ इंडिया की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी, एनपीसीआई भारत बिलपे लिमिटेड (एनबीबीएल) ने घोषणा की कि उसने आज भारत कनेक्ट के तहत अपनी ई-चालान श्रेणी में बड़ी उपलब्धि हासिल की। इस श्रेणी ने 10 लाख से अधिक हस्तांतरण (ट्रांजैक्शन) का प्रसंस्करण किया, जिनका कुल मूल्य 60 करोड़ रुपये से अधिक है। भारत कनेक्ट के जरिए ई-चालान भुगतान कई राज्यों में शुरू हो चुका है, जिनमें आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, गुजरात, हिमाचल प्रदेश और दिल्ली शामिल हैं। भारत कनेक्ट पर ई-चालान, लोगों को सुरक्षित, अंतर्परिचालित (इंटरऑपरेबल) और आसानी से इस्तेमाल होने वाले प्लेटफॉर्म के जरिए ट्रैफिक चालान देखने और उनका भुगतान करने की सुविधा प्रदान करता है। उक्त उपलब्धि से स्पष्ट है कि बेहतर सुविधा के लिए डिजिटल भुगतान समाधान अपनाने का चलन बढ़ रहा है, साथ ही यह भी जाहिर होता है कि भारत पूर्ण रूप से डिजिटल अर्थव्यवस्था बनने की ओर बढ़ रहा है। जिन राज्यों में यह सुविधा शुरू हो चुकी है, उनमें आंध्र प्रदेश ने सबसे ज्यादा इसे अपनाया है। शुरू होने के बाद से यहां 7 लाख से ज्यादा ट्रांजेक्शन का प्रसंस्करण हुआ। आंध्र प्रदेश के बाद तेलंगाना और गुजरात का स्थान है। दिल्ली और हिमाचल प्रदेश हाल ही में इस प्लेटफॉर्म से जुड़े हैं। भारत कनेक्ट का ई-चालान नेटवर्क अब राष्ट्रीय स्तर पर विस्तार के लिए तैयार है, और उम्मीद है कि जल्द ही और भी राज्य इसमें शामिल होंगे। एनबीबीएल की प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी, डॉ. नूपुर चतुर्वेदी ने इस उपलब्धि के संबंध में अपनी टिप्पणी में कहा, भारत कनेक्ट पर ई-चालान श्रेणी बेहद लोकप्रिय हो रहा है, और इसने 10 लाख ट्रांजैक्शन का स्तर पार कर लिया है।

ब्रह्मा बाबा मंदिर में दो नाबालिगों की जबरन शादी कराने की कोशिश नाकाम, पुलिस ने आरोपियों को दबोचा

केराकत ,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। चंदवक थाना क्षेत्र स्थित ब्रह्मा बाबा मंदिर में दो नाबालिग युवक-युवतियों की कथित रूप से जबरन शादी कराए जाने का मामला सामने आया है। सूचना मिलते ही चंदवक पुलिस मौके पर पहुंच गई और विवाह की रस्मों को रुकवाते हुए मामले में शामिल आरोपियों को हिरासत में ले लिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह शादी कथित तौर पर पैसे लेकर कराई जा रही थी। आरोप है कि शिवरामपुर क्षेत्र के एक व्यक्ति द्वारा पूरी व्यवस्था कराई गई थी। पुलिस ने मौके से कई लोगों को पकड़कर पूछताछ शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि गिरफ्तार किए गए आरोपी केराकत थाना क्षेत्र के निवासी हैं। घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसके बाद मामला चर्चा का विषय बन गया है। पुलिस नाबालिगों की उम्र संबंधी दस्तावेजों की जांच कर रही है तथा मामले में बाल विवाह निषेध अधिनियम समेत अन्य धाराओं में कार्रवाई की तैयारी की जा रही है। फिलहाल पुलिस पूरे प्रकरण की जांच में जुटी हुई है और वायरल वीडियो के आधार पर अन्य आरोपियों की भूमिका भी खंगाली जा रही है।

ओसवाल नगरी निवासी बृजेश सिंह के जन्मदिन पर लोगों ने दी बधाई

नालासोपारा (उत्तरशक्ति)। बृजेश सिंह सन फार्मा कंपनी के मैनेजर पद पर कार्यरत हैं। और नालासोपारा पूर्व ओसवाल नगरी स्थित साईं अष्टर कोऑपरेटिव सोसायटी के चैयरमेन पद पर आसीन है ।उनका पैतृक गांव सरायडीह , पोस्ट मारिकपुर जिला जौनपुर उत्तर प्रदेश के मूल निवासी हैं। ब्रिजेश सिंह का जन्मदिन दिनांक 1 जून 2026 को बड़े धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर प्रमुख लोगों के उपस्थित में केक काटा गया। इसके बाद लोगों ने करध्वन के साथ बृजेश सिंह को जन्मदिन की मंगल बधाई देते हुए उनका मुंह मिठा कराया गया लोगों ने उनके द्वारा किए गए सांस्कृतिक सामाजिक और धार्मिक कार्यों की भूरि भूरि सराहना करते हुए लोगों ने बधाई दी बताया जाता है कि जब से सांई अष्टर कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड के अध्यक्ष बनने के बाद उन्होंने बहुत सारे सुधार किए गए हैं ।उनके जन्मदिन पर धर्म पत्नी श्रीमती अर्चना सिंह, सोसायटी के सचिव शिवाजी लोटेकर, मृत्युंजय यादव, अमित कुमार पांडेय, अर्जुन चौहान, हवलदार यादव, प्रतिमा कालेलकर , विशाखा शिंदे , पूनम अमित कुमार, ऋषि दळवी , ऋषिकेश शुक्ला, दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा, अरविंद मिश्रा सहित कई लोगों ने जन्मदिन पर हार्दिक बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं।

बिना पोस्टमार्टम जला दिया शव, फुटेज बनेगी सबसे बड़ी गवाही

मेरठ (उत्तरशक्ति)। मेरठ के हत्या की वारदात में शव की बरामदगी न होने और पोस्टमार्टम न होने पर आरोपियों को सजा दिलाना चुनौती साबित होता है। 26 मई को भावनपुर थाना क्षेत्र स्थित गोकुलधाम सोसाइटी में 12वीं की छात्रा खुशी उर्फ खुशबू की हत्या की वारदात में ऐसा ही हुआ है। पुलिस के लिए खुशी की हत्या की वजह तलाशना चुनौती बना हुआ है। हालांकि इस वारदात में जिस चादर पर तकिये से छात्रा की हत्या की गई। उसमें लगी छात्रा की लार, बाल और मौसी को जान का खतरा बताकर की गई कॉल की रिकॉर्डिंग गवाह और साक्ष्य बनेंगी।

इसके अलावा पुलिस ने आरोपियों के घर के पास के फुटेज भी कब्जे में ले लिए हैं। पुलिस की जांच में सामने आया था कि गोकुलधाम सोसाइटी में खुशी की सौतेली मां पिंकी ने 26 मई को सोते समय उसके पैर पकड़े और उसके पिता कपिल शर्मा ने तकिये से मुंह और गला दबाकर हत्या की थी।

आरोपी कपिल बेटी खुशी के ऊपर तकिया रखकर बैठ गया था। आरोपी तीन दिन से खुशी की हत्या करने की फिराक में थे। जिस दिन आरोपियों ने उसकी हत्या की उस दिन सोसाइटी का सुरक्षाकर्मी सो रहा था। हत्या के बाद आरोपी कार में खुशी का शव लेकर मेडिकल थाना क्षेत्र के जागृति विहार सेक्टर-3 स्थित कपिल के पिता जगमोहन शर्मा के घर पहुंचे थे।

इसके बाद अंतिम यात्रा वाली बस से गढ़ मुक्तेश्वर के बृजघाट ले जाकर शव का अंतिम संस्कार कर दिया था। आरोपियों ने चार साल पहले पिंकी के बेटी होने के बाद से आरोपियों ने खुशी का उत्पीड़न शुरू कर दिया था।

शॉप्सी जेन जी और भारत के अगले 10 करोड़ खरीदारों के लिए एआई-आधारित, एंगेजमेंट-आधारित कॉमर्स प्लेटफॉर्म बना

बेंगलुरु(उत्तरशक्ति)। फ्लिपकार्ट की शॉप्सी, जो भारत के सबसे तेजी से बढ़ते हाइपरवैल्यू ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स में से एक है, ने आज अपने नए एआई-आधारित शॉप्सी ऐप के लॉन्च की घोषणा की। यह प्लेटफॉर्म अब सिर्फ ऑफर्स पर आधारित शॉपिंग प्लेटफॉर्म नहीं रहा, बल्कि एक आकर्षक, इनाम देने वाला गेमिफाइड अनुभव बन गया है, जिसे भारत के अगले 10 करोड़ खरीदारों के लिए तैयार किया गया है। ये युवा, महत्वाकांक्षी और कीमत को लेकर सजग उपभोक्ता हैं, जो मेट्रो और टियर 2+ शहरों में रहते हैं और ऑनलाइन शॉपिंग के तरीके को बदल रहे हैं

भारत के ई-कॉमर्स बाजार को तीन बड़े बदलाव नया रूप दे रहे हैं: टियर 2+ शहर अब नए खरीदारों की बढ़त में 65% हिस्सा दे रहे हैं; जेन जी, जिनकी खोज करने की आदतें अलग हैं, भारत के कुल ऑनलाइन खरीदारों में लगभग आधे हैं; और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर भरोसे की कमी अभी भी बनी हुई है। शॉप्सी का नया ऐप इन बदलावों को ध्यान में रखकर बनाया गया है। यह सोशल डिस्कवरी, वीडियो-आधारित प्रोडक्ट अनुभव, पर्सनलाइजेशन और गेमिफाइड रिवॉर्ड सिस्टम को एक साथ जोड़ता है, जिससे जेन जी और भारत के अगले 10 करोड़ खरीदारों के लिए एक आसान और सहज शॉपिंग अनुभव तैयार होता है।

खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड की पहल: पारंपरिक कारीगरों, महिलाओं और युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की तैयारी

सुरेश गांधी

वाराणसी। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और गांवों में स्वरोजगार के नए अवसर सृजित करने की दिशा में उत्तर प्रदेश खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड ने महत्वपूर्ण पहल की है। इसके तहत वर्ष 2026-27 में वाराणसी जनपद के पात्र लाभार्थियों को सेमी मोटराइज्ड दोना मेकिंग मशीन तथा पॉपकॉर्न मेकिंग मशीन का निःशुल्क वितरण किया जाएगा। योजना का उद्देश्य पारंपरिक कारीगरों, बेरोजगार युवाओं, महिलाओं और ग्रामोद्योग से जुड़ने के इच्छुक लोगों को आत्मनिर्भर बनाना है। गांव में ही रोजगार, हाथों को काम और परिवार को सम्मान– खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड की यह योजना ग्रामीण उद्यमिता को नई उड़ान देने की दिशा में अहम पहल मानी जा रही है। खादी एवं ग्रामोद्योग विभाग को मुख्यालय से वाराणसी के लिए 10 सेमी मोटराइज्ड दोना मेकिंग मशीन और 10 पॉपकॉर्न मेकिंग मशीन वितरित करने का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। इसके लिए इच्छुक अभ्यर्थियों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। विभाग का मानना है कि छोटी पूंजी में शुरू होने वाले ये उद्योग ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार का मजबूत माध्यम बन सकते हैं तथा परिवारों की आय बढ़ाने में सहायक होंगे।

जिला ग्रामोद्योग अधिकारी यूपी सिंह ने बताया कि दोना-पत्तल निर्माण का व्यवसाय पर्यावरण संरक्षण से भी जुड़ा हुआ है। प्लास्टिक के उपयोग पर बढ़ती रोक और जैविक उत्पादों की मांग बढ़ने के कारण दोना-पत्तल उद्योग में रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। वहीं पॉपकॉर्न निर्माण एवं बिक्री का व्यवसाय भी कम लागत में बेहतर आय का साधन बन सकता है।

योजना के अंतर्गत आवेदन केवल ऑनलाइन माध्यम से विभागीय वेबसाइट पर स्वीकार किए जाएंगे। प्राप्त आवेदनों की जांच के बाद मुख्यालय के निर्देशानुसार जनपद स्तर पर गठित चयन समिति द्वारा पात्र लाभार्थियों का चयन किया जाएगा। चयनित अभ्यर्थियों को निःशुल्क मशीनें उपलब्ध कराई जाएंगी, जिससे वे अपना स्वयं का लघु उद्योग स्थापित कर सकें।

जिला ग्रामोद्योग अधिकारी यूपी सिंह ने बताया कि आवेदन के साथ अभ्यर्थियों को पासपोर्ट आकार का फोटो, आधार कार्ड, निवास प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, शैक्षिक प्रमाण पत्र, राशन कार्ड अथवा परिवार आईडी तथा मोबाइल नंबर सहित आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने होंगे। अभ्यर्थी की आयु 18 वर्ष से 50 वर्ष के बीच होनी चाहिए। ऑनलाइन आवेदन करने के बाद उसकी हार्ड कॉपी एवं समस्त प्रमाण पत्रों की प्रतियां जिला ग्रामोद्योग कार्यालय, टकटकपुर, वाराणसी में 10 जून तक जमा करनी होंगी। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। खादी एवं ग्रामोद्योग अधिकारी यूपी सिंह ने बताया कि यह योजना प्रधानमंत्री और प्रदेश सरकार की आत्मनिर्भर भारत एवं आत्मनिर्भर गांव की अवधारणा को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे ग्रामीण युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध होगा, पलायन में कमी आएगी और गांवों की आर्थिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी।

'पीवीएस कप 2026' जीतकर नगरसेवक बने चैंपियन

'पत्रकार विकास संघ' का क्रिकेट टूनार्मेंट बना एकता और सौहार्द का प्रतीक

मुंबई। पत्रकार विकास संघ का बहुप्रतीक्षित 'पीवीएस कप 2026' क्रिकेट टूनार्मेंट रविवार, 31 मई 2026 को गोरेगांव स्पोर्ट्स क्लब में जोश, उत्साह और उमंग के साथ संपन्न हुआ। इसमें पत्रकारों और पुलिस की टीमों के साथ ही कवियों, कारोबारियों, वकीलों और नगरसेवकों की क्रिकेट टीमों ने भी बल्लेबाजी और गेंदबाजी के हुनर दिखाए। रविवार को आठों टीमों के बीच दिनभर चली मैचों की श्रृंखला के बाद फाइनल में मुंबई पुलिस जोन 12 की टीम को करारी शिकस्त देकर नगरसेवकों की टीम ने 'पीवीएस कप 2026' पर कब्जा जमा लिया। पीवीएस का यह आयोजन अत्यंत भव्य, सफल और यादगार रहा। इस आयोजन ने खेल भावना के साथ-साथ पत्रकारिता जगत, सामाजिक क्षेत्र और राजनीतिक प्रतिनिधियों को एक ही मंच पर लाकर सामाजिक एकता और सद्भाव का सशक्त संदेश दिया। पत्रकार विकास संघ के अध्यक्ष आनंद मिश्र, महासचिव अजय सिंह, प्रमुख सलाहकार सुनील सिंह ने समन्वय और व्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। शैलेंद्र श्रीवास्तव ने संचालन किया। आशीष पांडेय, अर्जुन कांबले और यश उपाध्याय ने बहुत ही प्रभावी ढंग आंखों देखा हाल प्रस्तुत किया। इस अवसर पूर्व मंत्री विधायक असलम शेख, पूर्व मंत्री व विधायक विद्या ठाकुर, विधायक संजय उपाध्याय, पूर्व राज्यमंत्री दर्जा प्राप्त अमरजीत मिश्र, श्री सिद्धिविनायक मंदिर ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष आचार्य पवन त्रिपाठी, शिवसेना (उबाठा) के प्रवक्ता आनंद दुबे, मशहूर ने नेत्र चिकित्सक व जानेमाने समाजसेवी डॉ. श्याम अग्रवाल, मुंबई भाजपा के महासचिव विनोद शेलार, मनपा सभागृह के गुट नेता गणेश खणकर, उपनगर स्थापत्य समिति के अध्यक्ष संगिता शर्मा, नगरसेवक योगेश वर्मा, धवल वोरा, सिद्धार्थ शर्मा, रफीक शेख, मनोनीत नगरसेवक वीरेंद्र चौधरी, पूर्व नगरसेवक विनोद मिश्रा, ज्ञानमूर्ति शर्मा, सिराज शेख, शिवसेना (उबाठा) के उप विभाग अध्यक्ष दिनेश राव, हिंदी पत्रकार संघ के अध्यक्ष आदित्य दुबे, क्राइम रिपोर्टर एसोसिएशन के अध्यक्ष विशाल सिंह, उत्तर प्रदेश मान्यता प्राप्त पत्रकार संघ के अध्यक्ष हेमंत तिवारी, नवभारत के संपादक बृजमोहन पांडेय, अखंड राजपूताना सेवासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष आरपी सिंह, व्यापारी संघ 'पंचदेव' के शीतला यादव और नीलेश भाई, सहित अनेक वरिष्ठ पत्रकार एवं सामाजिक हस्तियां प्रमुखता से शामिल हुईं। कार्यक्रम में मशहूर क्रिकेट कोच एवं स्टार स्पोर्ट्स के आधिकारिक कमेंटेटर ज्वाला सिंह की उपस्थिति विशेष आकर्षण का केंद्र रही। कार्यक्रम की सफलता में भानुप्रकाश मिश्रा, अमर त्रिपाठी, अभय मिश्र, श्रीश उपाध्याय, रणजीत सिंह श्रीनेत,भगवती मिश्रा, धर्मेंद्र तिवारी, शमीउल्ला खान, मुरारी सिंह, ब्रिजेश त्रिपाठी, चेतन महोबिया, विपुल मीनावाला, देवांश मिश्रा, शिवलाल यादव, विक्रम जाधव,मंच संचालक व हास्य कवि सुरेश मिश्र,कवि महेश दुबे, संतोष पांडेय, तुफेल खान, अब्दुल चौधरी व अन्य कई लोगों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सुबह से देर रात तक चले क्रिकेट मैचों की श्रृंखला ने दर्शकों को लगातार रोमांचित रखा।

यह आयोजन केवल एक क्रिकेट प्रतियोगिता भर नहीं रहा, बल्कि पत्रकारों, पुलिसकर्मियों, जनप्रतिनिधियों, वकीलों, व्यापारियों और कवियों को एक मंच पर लाकर सामाजिक समरसता, भाईचारे और सहयोग का मजबूत संदेश देने वाला एक प्रभावशाली आयोजन साबित हुआ।

एक माह चलेगा 'खेत बचाओ अभियान किसानों को मिलेगी वैज्ञानिक खेती की जानकारी

जौनपुर (उत्तरशक्ति) । 01 जून। प्रधानमंत्री के आह्वान पर जनपद में 1 जून से 30 जून तक 'खेत बचाओ अभियान' चलाया जाएगा। अभियान के तहत कृषि वैज्ञानिक, कृषि विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, जनप्रतिनिधि एवं प्रगतिशील किसान गांव-गांव पहुंचकर किसानों को आधुनिक एवं वैज्ञानिक खेती के प्रति जागरूक करेंगे। कृषि विज्ञान केंद्र बक्शा एवं अमहित के वैज्ञानिक किसानों को मृदा परीक्षण के आधार पर संतुलित उर्वरकों के उपयोग, नकली कीटनाशकों की पहचान तथा वैज्ञानिक खेती की नवीन तकनीकों की जानकारी देंगे। साथ ही किसानों को कृषि से जुड़ी विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ भी दिलाया जाएगा। उप परियोजना निदेशक (आत्मा) कृषि प्रसार सुधार डॉ. रमेश चंद्र यादव ने किसानों से अभियान में सक्रिय भागीदारी की अपील करते हुए कहा कि मृदा परीक्षण के अनुसार संतुलित खाद एवं उर्वरकों का प्रयोग करने से भूमि की उर्वरता बनी रहती है और फसलों की बेहतर पैदावार प्राप्त होती है। उन्होंने किसानों को जैविक एवं प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए भी प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और कृषि के सतत विकास के लिए वैज्ञानिक खेती समय की आवश्यकता है। केंद्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ लेकर किसान अपनी आय बढ़ाने के साथ-साथ कृषि क्षेत्र में समृद्धि हासिल कर सकते हैं।

घाटकोपर में श्रीमद्भागवत महापुराण कथा का आयोजन

मुंबई। मुंबई के घाटकोपर अंतर्गत नारायण नगर स्थित श्री राम मंदिर/श्री गणेश मंदिर सभागृह में 30 मई से 5 जून 2026 तक प्रतिदिन सायं 5 बजे से 8 बजे तक सात दिवसीय भव्य श्रीमद्भागवत महापुराण कथा का आयोजन किया जा रहा है। इस पावन कथा में कथाव्यास पंडित हर्षचरित पांडेय महाराज श्रद्धालुओं को श्रीमद्भागवत महापुराण के दिव्य प्रसंगों का रसपान करा रहे हैं। कथा के दौरान महाराज श्री ने कहा कि कलियुग में जब मनुष्य अनेक प्रकार की मानसिक, सामाजिक एवं आध्यात्मिक समस्याओं से घिरा हुआ है, ऐसे समय में श्रीमद्भागवत महापुराण मानव जीवन को दिशा देने वाला दिव्य प्रकाश स्तंभ है। उन्होंने बताया कि श्रीमद्भागवत भगवान श्रीकृष्ण का साक्षात स्वरूप है, जिसके श्रवण मात्र से मन की अशांति दूर होती है, पापों का क्षय होता है तथा भक्ति, ज्ञान और वैराग्य की प्राप्ति होती है। महाराज श्री ने कहा कलौ नास्त्येव नास्त्येव नास्त्येव गतिरन्यता। हरेर्नाम हरेर्नाम हरेनामैंव केवलम्॥ उन्होंने बताया कि श्रीमद्भागवत कथा भगवान के नाम, रूप, गुण और लीलाओं का अमृतमय वर्णन है। इसका श्रद्धापूर्वक श्रवण जीवन को पवित्र, सुखमय एवं सार्थक बनाता है। कथाव्यास ने समस्त धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं से स्नेहपूर्ण आग्रह किया कि वे इस पावन श्रीमद्भागवत महापुराण कथा ज्ञानयज्ञ में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कथा श्रवण का लाभ प्राप्त करें तथा तन, मन और धन से सहयोग देकर इस दिव्य आयोजन को सफल बनाने में सहभागी बनें। उन्होंने कहा कि कथा में किया गया सहयोग धर्म, संस्कृति और मानवता की सेवा का महान कार्य है। अंत में उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से आह्वान किया कि वे श्रीमद्भागवत कथा में शामिल होकर कथा का अमृतपान कर अपने जीवन

पालघर सांसद डॉ. हेमंत सावरा ने वसई-विरार में किया प्री-मानसून निरीक्षण

वसई-विरार। डॉ. हेमंत विष्णु सावरा ने 27 मई 2026 को वसई-विरार महानगरपालिका क्षेत्र के विभिन्न इलाकों का दौरा कर प्री-मानसून तैयारियों और नालों की सफाई कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान राजन नाइक, महानगरपालिका के अधिकारी, भाजपा पार्षद एवं पार्टी पदाधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सांसद डॉ. सावरा ने सुबह 9 बजे निरीक्षण दौरे की शुरूआत की। इस दौरे का मुख्य उद्देश्य मानसून के दौरान नागरिकों को जलभराव और अन्य समस्याओं से बचाने के लिए चल रहे कार्यों की समीक्षा करना था। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विभिन्न प्रमुख नालों और संवेदनशील क्षेत्रों का जायजा लिया। निरीक्षण में विरार पूर्व के रायपाड़ा नाला तथा 90 फीट प्रगति नगर रेलवे नाला, संतोष भवन क्षेत्र के कुमकुम मेडिकल, शर्मा वाड़ी और कारगिल नगर रोड, नालासोपारा पूर्व के अलकापुरी नाला, वसई पूर्व के गोखिवारे और नवघर नाला तथा वसई पश्चिम स्थित कृष्णा टाउनशिप क्षेत्र का दौरा किया गया। दिनभर के निरीक्षण के बाद शाम 4 बजे वसई-विरार महानगरपालिका मुख्यालय में प्री-मानसून समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सांसद डॉ. सावरा और विधायक राजन नाइक ने अधिकारियों के साथ नाला सफाई और मानसून पूर्व तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक के दौरान प्रशासन को निर्देश दिए गए कि मानसून से पहले सभी कार्य निर्धारित समय सीमा के भीतर और गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरे किए जाएं। जनप्रतिनिधियों ने नागरिकों की सुरक्षा और सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर कार्य करने पर जोर दिया। सांसद डॉ. सावरा ने कहा कि मानसून के दौरान किसी भी क्षेत्र में जलभराव या नागरिकों को असुविधा न हो, इसके लिए सभी संबंधित विभागों को सतर्कता और जवाबदेही के साथ कार्य करना होगा। उन्होंने आश्वासन दिया कि विकास और नागरिक सुविधाओं से जुड़े कार्यों की लगातार निगरानी की जाएगी।

प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक परीक्षा-2026 सकुशल संपन्न

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग, प्रयागराज द्वारा आयोजित प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (टीजीटी) परीक्षा-2026 को जनपद में सकुशल, निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी श्री सैमुअल पॉल एन. की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में प्रशिक्षण बैठक आयोजित की गई। बैठक में परीक्षा कार्य में तैनात सभी सेक्टर मजिस्ट्रेट एवं स्टेटिक मजिस्ट्रेट को परीक्षा संबंधी दिशा-निर्देशों, उत्तर प्रदेश सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों का निवारण) अधिनियम-2024 तथा आयोग द्वारा निर्धारित मानकों के संबंध में विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया गया। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि परीक्षा की शुचिता एवं पारदर्शिता बनाए रखने में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद के 20 परीक्षा केन्द्रों पर 03 एवं 04 जून 2026 को दो पालियों में आयोजित होने वाली टीजीटी परीक्षा के लिए सेक्टर एवं स्टेटिक मजिस्ट्रेटों की तैनाती की गई है। सभी मजिस्ट्रेट परीक्षा प्रारम्भ होने से एक घंटा पूर्व अपने-अपने परीक्षा केन्द्रों पर पहुंचकर व्यवस्थाओं का निरीक्षण करेंगे तथा परीक्षा अवधि के दौरान सतत निगरानी बनाए रखेंगे। उन्होंने निर्देश दिया कि परीक्षा केन्द्रों पर अभ्यर्थियों के प्रवेश, सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी निगरानी, विद्युत आपूर्ति, पेयजल, शौचालय तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जाए। किसी भी प्रकार की अनियमितता, नकल अथवा अवांछित गतिविधि पाए जाने पर तत्काल प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया, अपर जिलाधिकारी (वि./रा.) परमानंद झा, वरिष्ठ कोषाधिकारी उमाशंकर, जिला विद्यालय निरीक्षक तथा परीक्षा व्यवस्थाओं से जुड़े अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

अन्नपूर्णा नगर बागीचे में नाना नानी के साथ बच्चो ने लिया लुफ्त

प्रणित नरेंद्र तिवारी

इंदौर (उत्तरशक्ति) अन्नपूर्णा इलाके में गरमी की छुट्टियां बिताने मामा-नाना के घर आए बच्चों की बगीचे में पार्टी हुई। देशी खेल खेले गए और गुड्डी के बाल, बरफ के लड्डू के चटकारे लगे। संस्था ब्रम्हचेतना ने अन्नपूर्णा नगर बगीचे में वार्ड 81 की कॉलोनी के बच्चों के लिए पहल की थी। पार्षद बबलू शर्मा ने बच्चों को पार्टी देने के लिए कहा गया। शर्मा ने कहा कि कॉलोनी की जितनी लड़कियां , लड़के हैं, बुला लें। कॉलोनियों के वाट्सएप ग्रुप पर संदेश चलाया गया कि मामा-नाना के घर आए जितने है उन सब बच्चों को बगीचे में दावत दी जा रही है। अन्नपूर्णा नगर बगीचे में जुटे बच्चे नाना-नानी के साथ शाम होते ही तीन सौ से ज्यादा बच्चे जमा हो गए। परिवार भी साथ में थे। मकसद था बच्चों को कुछ समय टीवी और मोबाइल से दूर रखा जाए। बगीचे में गुल्ली-डंडा, छुप्पा छुप्पी जैसे परंपरागत खेल खेलाए गए। खेल के बाद पानी बताशे, गुड्डी के बाल, बरफ के लड्डू और चॉकलेट का इंतजाम था। मामा-मामी और नाना-नानी ने आयोजकों की पहल को क्षेत्र के लोग पार्षद बब्लू शर्मा की सराहना कर रहे हैं। पार्षद ने कहा कि जब से बच्चे आए हैं, गरमी की वजह से बाहर निकल नहीं पाए। आज बगीचे में मस्ती के साथ लूफ्त उठा रहे थे। इस पहल के लिए ब्रम्हचेतना संस्था को लोगों ने बधाई दी।

कांग्रेस पार्टी ने महंगाई के खिलाफ किया विरोध प्रदर्शन

मुंबई। पेट्रोल, डीजल, सीएनजी तथा घरेलू और व्यावसायिक गैस की लगातार बढ़ती कीमतों से आम नागरिकों का आर्थिक संतुलन बिगड़ता जा रहा है। बढ़ती महंगाई के विरोध में कांग्रेस पार्टी ने सोमवार को घाटकोपर में जोरदार आंदोलन किया। घाटकोपर पश्चिम स्थित दरगाह परिसर के पास पेट्रोल पंप के बाहर आयोजित इस विरोध प्रदर्शन में केंद्र सरकार की ईंधन मूल्य वृद्धि नीति का विरोध किया गया। आंदोलन मुंबई कांग्रेस की अध्यक्ष एवं सांसद प्रो. वर्षा गायकवाड़ के निर्देश पर तथा उत्तर-पूर्व मुंबई जिला कांग्रेस अध्यक्ष केतन शाह के नेतृत्व में आयोजित किया गया। इस अवसर पर कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि ईंधन और गैस की बढ़ती कीमतों का सबसे अधिक असर महिलाओं, मजदूरों, मध्यमवर्गीय परिवारों, छोटे व्यापारियों और आम नागरिकों पर पड़ रहा है।

पेट्रोल और डीजल की बढ़ती कीमतों के कारण दोपहिया वाहन चलाना आम लोगों के लिए मुश्किल होता जा रहा है, यह संदेश देने के लिए एक कार्यकर्ता ने अपनी मोटरसाइकिल को हाथगाड़ी पर रखकर प्रतीकात्मक रूप से ह्यबिक्री के लिए प्रदर्शित किया। साथ ही यह भी दशार्या गया कि यदि ईंधन की कीमतें इसी तरह बढ़ती रहीं तो लोगों को फिर से बैलगाड़ी जैसे पारंपरिक साधनों से यात्रा करनी पड़ेगी।

इस दौरान कांग्रेस के अनेक पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे। प्रदर्शन के दौरान ह्नमहंगाई हटाओ, जनता बचाओह्व के नारे लगाते हुए केंद्र सरकार के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की गई।

मीडिया से बातचीत करते हुए उत्तर-पूर्व मुंबई जिला कांग्रेस अध्यक्ष केतन शाह ने कहा कि कांग्रेस शासनकाल में पेट्रोल, डीजल और घरेलू गैस की कीमतें नियंत्रण में थीं। उस समय भाजपा महंगाई के मुद्दे पर आंदोलन करती थी, लेकिन आज भाजपा के सत्ता में रहते हुए पिछले दस वर्षों में ईंधन और गैस की कीमतों में भारी वृद्धि हुई है, जिससे आम जनता का जीवन और अधिक कठिन हो गया है। कांग्रेस पदाधिकारियों ने बताया कि बढ़ती महंगाई के खिलाफ जनआक्रोश व्यक्त करने तथा नागरिकों की समस्याओं की ओर सरकार का ध्यान आकर्षित करने के लिए यह आंदोलन आयोजित किया गया।

ठाणे कलेक्टर कार्यालय में नामांकन के दौरान स्नेहा दुबे पंडित की उपस्थिति

ठाणे। ठाणे-पालघर विधान परिषद चुनाव के लिए महायुति के आधिकारिक उम्मीदवार और शिवसेना नेता रविंद्र फाटक ने सोमवार को ठाणे कलेक्टर कार्यालय में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। इस अवसर पर महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे विशेष रूप से उपस्थित रहे।

नामांकन प्रक्रिया के दौरान वसई की विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हुए महायुति उम्मीदवार को शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महायुति के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और समर्थक मौजूद रहे। इस अवसर पर श्रीकांत शिंदे, नरेश मस्के, कपिल म्हात्रे, राजन नाइक, राजेंद्र गावित, माधवीताई नाइक तथा कुमार ऐलानी सहित कई जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। महायुति नेताओं ने विश्वास व्यक्त किया कि विकासोन्मुखी नीतियों और जनसमर्थन के बल पर गठबंधन आगामी चुनाव में सफलता प्राप्त करेगा। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने भी महायुति की जीत को लेकर अपना भरोसा व्यक्त किया।

हैबिल्ड ने राष्ट्रव्यापी डिजिटल योग पहल शुरू की

मुंबई। मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान, आयुष मंत्रालय ने भारत के पहले हैबिट-बिल्डिंग (आदत विकसित करने वाले) प्लेटफॉर्म 'हैबिल्ड' के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस २०२६ के मद्देनजर देशव्यापी डिजिटल योग पहल शुरू करने के लिए इस साझेदारी का उद्देश्य सुनियोजित और सुलभ ऑनलाइन कार्यक्रमों के माध्यम से देश भर के नागरिकों को योग को एक सरल दैनिक अभ्यास के रूप में अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना है। 'योग ३६५' पहल के हिस्से के रूप में, हैबिल्ड और एमडीएनआईवाई , आयुष मंत्रालय ने २१ जून २०२६ (अंतरराष्ट्रीय योग दिवस) तक चलने वाले एक बड़े स्तर के डिजिटल योग आंदोलन (मार्च २०२६ में) की शुरूआत की है। इसका मुख्य उद्देश्य लोगों को लगातार १०० दिनों तक हर दिन योग करने के लिए प्रेरित करना है। इस पहल में पहले ही १३० से अधिक देशों और भारत के हर राज्य व केंद्र शासित प्रदेश से ४ लाख से अधिक सक्रिय लोग जुड़ चुके हैं, और २१ जून तक इस संख्या में कई गुना बढ़ोतरी होने की उम्मीद है। यह पहल आयुष मंत्रालय के यूट्यूब चैनल के माध्यम से प्रतिभागियों को ऐसे सरल योग अभ्यासों से परिचित कराती है जिन्हें रोजमर्रा की ज़िंदगी में आसानी से शामिल किया जा सके। इन निर्देशित सत्रों (गाइडेड सेशन्स) का संचालन हैबिल्ड के को-फाउंडर और योग ट्रेनर सौरभ बोथरा कर रहे हैं। सौरभ का योग के प्रति दृष्टिकोण अल्पकालिक फिटनेस लक्ष्यों के बजाय आदत बनाने, सचेत गतिशीलता (माइंडफुल मूवमेंट) और स्थायी स्वास्थ्य दिनचर्या विकसित करने पर केंद्रित है। इस कार्यक्रम के प्रारूप को इस तरह तैयार किया गया है ताकि हर कोई इसमें आसानी से भाग ले सके और धीरे-धीरे नियमित योग की आदत डाल सके।